मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 273
बुधवार, 22 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

केरल के त्रिशूर में पटाखा फैक्ट्री में धमाके से 8 की मौत, 40 घायल

केरल, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर एक आतिशबाजी निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना मुंडाथिकोड में दोपहर लगभग 3.35 बजे घटी। वडक्कनचेरी अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने ऑनमनोरमा को बताया कि पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया होगा। घायलों में से अधिकांश इसी इकाई के कर्मचारी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अग्निशमन कर्मी और एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। घायलों का इलाज त्रिशूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित कई अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें दोपहर करीब 3.35 बजे विस्फोट की सूचना मिली। पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो फसल कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया होगा।

उन्होंने आगे कहा कि वडक्कनचेरी, कुन्नमकुलम और त्रिशूर की अग्निशमन इकाइयों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बचाव कार्य में समन्वय किया।

हालांकि, अधिकारी ने बताया कि बचाव दल अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाया है। कुन्नमकुलम अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि हम अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाए हैं। वहां रखे गए सामान की मात्रा स्पष्ट नहीं है और आगे भी विस्फोट होने की संभावना है।

कार-ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत, बारात जा रहे थे सभी

बड़वानी, 21 अप्रैल। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिला स्थित जुलवानिया शहर के पास मंगलवार को ट्रक और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जुलवानिया पुलिस थाने के प्रभारी रामकुमार पाटिल ने बताया कि कार में सवार सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जलगांव से रुई पहुंचे और जब उनकी कार में ईंधन खत्म हो रहा था तो वे ईंधन भराने के लिए जुलवानिया चले गए। उन्होंने बताया कि जब वे लौट रहे थे तभी उनकी कार टोल टैक्स नाके के पास एक ट्रक से टकरा गई, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि दो अन्य लोगों ने बड़वानी शहर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सचिन वास्कले (25), प्रद्युम साहते (25), पप्पू हीरालाल (29), आकाश दयाराम (25) और यशवंत सुदापिया (30) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि दो अन्य घायलों का बड़वानी में उपचार किया जा रहा है और पुलिस घटना की जांच कर रही है।

लड़खड़ाती दुनिया को भारत दिखाएगा रास्ता: मोहन भागवत

त्रिपुरा, 21 अप्रैल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने 31 जनवरी, 2026 को कहा कि दुनिया वर्तमान में लड़खड़ा रही है और शासन, धर्म और विज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के साथ 2000 वर्षों के प्रयोगों के बाद भारत के ज्ञान की तलाश कर रही है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर स्थित मां सौंदर्या चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में बोलते हुए, भगवत ने टिप्पणी की कि सदियों से कई वैश्विक मॉडलों को आजमाया गया है, लेकिन वे स्थायी शांति और संतोष स्थापित करने में विफल रहे हैं।

मोहन भगवत ने कहा कि 2000 वर्षों से दुनिया ने बहुत सारे प्रयोग किए हैं। पहले सब कुछ राजा को दिया जाता था। लोगों का मानना ??था कि राजा का होना अच्छा है, लेकिन बाद में राजा खुद अपनी प्रजा को लूटने लगा। इसलिए उन्होंने कहा, ईश्वर ही राजाओं का राजा है। इस प्रकार, ईश्वर के प्रति भक्ति पर आधारित विभिन्न धर्मों का जन्म हुआ। लेकिन उन्होंने जीवन में शांति स्थापित करने का प्रयास किया, और अंततः रक्त की नदियाँ बहा दीं।

उन्होंने आगे मानव पीड़ा को दूर करने में वैज्ञानिक युग की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाद में उन्होंने कहा, हम वैज्ञानिक हैं। हम ईश्वर में तभी विश्वास करेंगे जब ईश्वर प्रयोगशाला में हमारी परीक्षण नलियों में प्रकट होंगे, अन्यथा नहीं। फिर विज्ञान का युग शुरू हुआ। बहुत सारी सुख-सुविधाएँ और विलासिताएँ पैदा हुईं, लेकिन संतोष नहीं है। पीड़ा अभी भी है, परिवार टूट रहे हैं, और अपराध बढ़ रहा है। युद्ध, एक बार शुरू हो जाने पर, रुकते नहीं हैं, और युद्ध कभी नहीं रुकते। जितना अधिक विकास होता है, उतना ही अधिक पर्यावरण नष्ट होता है। भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता अब इन लंबे प्रयोगों के परिणामों का सामना कर रही है, और कहा कि अब, ऐसे प्रयोगों के 2000 वर्षों के बाद, दुनिया लड़खड़ा रही है और भारत के ज्ञान की लालसा कर रही है। यह भारत का कर्तव्य है, क्योंकि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित थे।

कैंट स्टेशन पर 16 लाख कैश बरामद, छोटे नोटों का खजाना देख दंग रह गई पुलिस

वाराणसी, 21 अप्रैल। शहर के व्यस्ततम वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जीआरपी की नियमित चेकिंग के दौरान एक यात्री के पास से करीब 16 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। खास बात यह रही कि पूरी रकम छोटे नोटों–10, 20, 50, 100 और 200 रुपये–में थी, जिसे देखकर पुलिसकर्मी भी चौंक गए।

जानकारी के अनुसार, जीआरपी टीम प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। जब पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ की, तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद उसके सामान–सूटकेस, बैग और एक बोरे–की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस के होश उड़ गए। तीनों बैगों में ठूंस-ठूंसकर भरे छोटे नोटों की गड्डियां मिलीं, जिनकी कुल राशि लगभग 16 लाख रुपये आंकी गई। इतनी बड़ी रकम छोटे नोटों में मिलने से मामला और भी संदिग्ध हो गया। वाराणसी कैंट स्टेशन पर बरामद यह बड़ी नकदी न केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ा मामला बन गई है, बल्कि यह भी सवाल खड़े कर रही है कि आखिर इतनी भारी रकम छोटे नोटों में क्यों और किस मकसद से ले जाई जा रही थी। आने वाली जांच में इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि पकड़ा गया व्यक्ति कॉस्मेटिक का कारोबारी है। उसने दावा किया कि यह रकम उसके व्यापार से जुड़ी है, लेकिन वह इसके संबंध में कोई ठोस दस्तावेज या संतोषजनक विवरण नहीं दे सका। जीआरपी ने तत्काल नकदी को कब्जे में लेकर मामले की सूचना आयकर विभाग को दे दी है। अब यह जांच की जा रही है कि यह पैसा किसी टैक्स चोरी, अवैध लेनदेन या अन्य संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा तो नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचकर पूछताछ कर रही है। नकदी की गिनती और स्रोत की जांच जारी है। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लेकर उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

बीजेपी पार्टी ही पूरे देश को घुसपैठियों से मुक्त कराने का काम करेगी: अमित शाह

कोलकता, 21 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनका समय अब खत्म हो गया है॒ और जोर देकर कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में अगली सरकार इखढ ही बनाएगी। पश्चिम मेदिनीपुर के चांदीपुर में दिन की अपनी आखिरी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यह चुनाव के पहले चरण की आखिरी रैली है। मैं चांदीपुर से दीदी को कहना चाहता हूँ, 'टाटा, बाय-बाय। आपका समय अब खत्म हो गया है! आपने बंगाल के लोगों को बहुत परेशान किया है। अब आपके जाने का और बीजेपी के आने का समय आ गया है। उन्होंने आगे दावा किया कि वोटों की गिनती के बाद इखढ की जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि आज मैं घुसपैठियों से कहना चाहता हूँ कि 4 तारीख को वोटों की गिनती होगी और 5 तारीख को बीजेपी की सरकार बन जाएगी... इसलिए जल्दी से बांग्लादेश जाने के लिए तैयार हो जाओ।

शाह ने इस क्षेत्र के लिए विकास की पहल का भी वादा किया और एक खास रिसर्च सेंटर बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ठीक यहीं चांदीपुर और आस-पास के इलाकों में पान की खेती होती है, इसलिए भारत सरकार चांदीपुर में एक बड़ा पान रिसर्च सेंटर बनाएगी। इसके साथ ही, उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों को कड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, मैं ममता के गुंडों को भी बता रहा हूँ कि वे 23 तारीख को अपने घरों से बाहर न निकलें... 5 तारीख को बीजेपी की सरकार आ रही है। हम उन्हें पाताल से भी ढूँढ़ निकालेंगे और जेल की सलाखों के पीछे भेज देंगे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और घुसपैठ पर बीजेपी के रुख को भी दोहराते हुए कहा कि बीजेपी ने देश को नक्सलवाद से मुक्त कराया है, और आज मैं यह कह रहा हूँ कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही पूरे देश को घुसपैठियों से मुक्त कराने का काम करेगी। बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक, हम घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे।

पिछली सैन्य और सुरक्षा कार्रवाइयों का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा, श्कांग्रेस, कम्युनिस्ट और ममता जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ थे। हालाँकि, 2019 में पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया। जब कांग्रेस ममता जी के समर्थन से सत्ता में थी, तो वे आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे। आतंकवादियों ने उरी में हमला किया, तो सर्जिकल स्ट्राइक की गई। उन्होंने पुलवामा में हमला किया, तो एयर स्ट्राइक की गई। उन्होंने पहलगाम में हमला किया, तो मोदी सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवादियों को उनके ही घर में मार गिराया।

डीएमके-बीजेपी के दबाव के आगे नहीं झुकूंगा: विजय

तमिलनाडु, 21 अप्रैल। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने मंगलवार को 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं से अंतिम अपील करते हुए उनसे अपनी पार्टी के सीटी चिन्ह का समर्थन करने का आग्रह किया और स्थापित पार्टियों के राजनीतिक दबाव का विरोध करने का वादा किया। पर साझा किए गए एक संदेश में, विजय ने मतदाताओं को अपना परिवार बताते हुए राजनीति में आने के बाद से उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। खुद को जन-केंद्रित नेता बताते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को राजनीतिक विरोधियों के निरंतर दबाव का सामना करना पड़ा है। विजय ने कहा कि तमिलनाडु की जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए राजनीति में आने के दिन से लेकर अब तक, जिन्होंने हम पर असहनीय दबाव, बंधन और पीड़ाएं डाली हैं, उनके अलावा और कौन हो सकता है? ये वही लोग हैं जिन्होंने हम पर असहनीय दबाव, बंधन और पीड़ाएं डाली हैं। हमारी जनता हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, जनविरोधी ताकत डीएमके और भाजपा को अच्छी तरह जानती है, जो नीतिगत विरोधियों और कई अन्य लोगों के खिलाफ मैदान में डटकर मुकाबला करने वाली एक दृढ़ शक्ति है।

अभिषेक शर्मा के तूफान के बाद मलिंगा की धार ने दिल्ली को किया पस्त

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। अभिषेक शर्मा के तूफान और ईशान मलिंगा की शानदार गेंदबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 20 ओवरों में दो विकेट खोकर 242 रन बनाए। इस विशाल स्कोर के सामने दिल्ली की टीम ढह गई और पूरे 20 ओवर खेलने के बाद 195 रनों पर ढेर हो गई।

अभिषेक ने अपने आईपीएल करियर का कुल दूसरा और टी20 करियर का नौवां शतक जमाया। उन्होंने 68 गेंदों पर 10 चौके और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 135 रनों की पारी खेली। अंत में हेनरिक क्लासेन ने 13 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। मलिंगा ने चार ओवरों में 32 रन देकर चार विकेट लिए। इस जीतने हैदराबाद को तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। उसके सात मैचों में चार जीत और तीन हार के बाद आठ अंक हो गए हैं।

दिल्ली को इस विशाल स्कोर के सामने जिस शुरूआत की जरूर थी वो उसे नहीं मिली। तीसरे ओवर की पहली ही गेंद पर दिलशान मदुशंका ने पाथुम निसंका को आउट कर दिया। वह छह गेंदों पर आठ रन ही बना पाए। राहुल ने फिर नीतीश राणा के साथ मिलकर टीम को खराब शुरूआत से बाहर निकालने की जिम्मेदारी ली जिसमें वह सफल रहे। पावरप्ले में दिल्ली ने एक विकेट खोकर 59 रन बनाए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

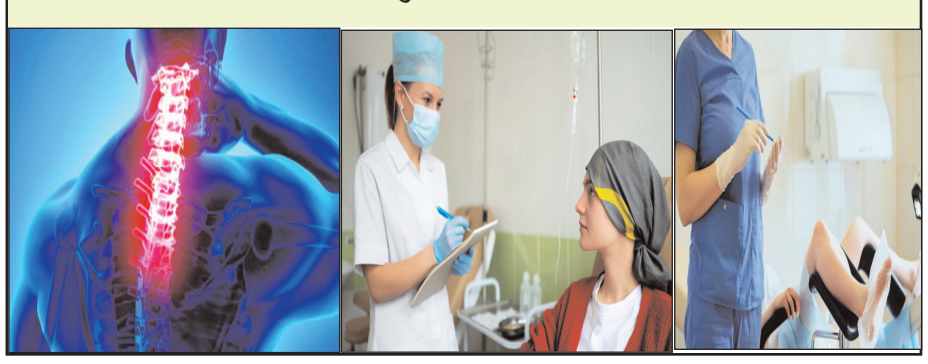

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

संकल्प नहीं व्यवहार चाहिए

प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस अब केवल औपचारिक आयोजन का अवसर नहीं रह गया है। यह दिन मानव समाज को स्वयं से प्रश्न करने का अवसर देता है कि जिस धरती ने हमें जल, वायु, अन्न, वन, औषधि, खनिज और जीवन का आधार दिया, उसके प्रति हमारा आचरण कैसा रहा। यदि निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए तो मनुष्य ने प्रकृति से लिया अधिक है और लौटाया बहुत कम। विकास, सुविधा और उपभोग की दौड़ में हमने नदियों को मैला किया, वनों को काटा, मिट्टी को थकाया, वायु को विषाक्त बनाया और जल स्रोतों को सुखा दिया। आज पृथ्वी दिवस का सबसे बड़ा संदेश यही है कि अब चेतावनी का समय बीत चुका है, सुधार का समय उपस्थित है।

इस वर्ष विश्व स्तर पर पृथ्वी दिवस का जो भाव उभरकर सामने आया है, उसका सार यही है कि धरती को बचाने की शक्ति केवल शासन, वैज्ञानिक संस्थानों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सीमित नहीं है। यह शक्ति सामान्य नागरिक के दैनिक जीवन में भी निहित है। समस्या यह है कि हम पर्यावरण को सरकारी विषय मानते हैं, जबकि यह घर-घर का विषय है। जब तक परिवार, विद्यालय, बाजार, खेत, उद्योग और नगर–सब अपने व्यवहार नहीं बदलेंगे, तब तक बड़ी घोषणाएँ भी अधूरी सिद्ध होंगी।

आज सबसे गंभीर भूल यह हुई है कि सुविधा को प्रगति मान लिया गया है। अधिक वाहन, अधिक उपभोग, अधिक अपव्यय, अधिक विद्युत व्यय और अधिक संसाधन दोहन को सफलता का प्रतीक समझ लिया गया। परिणाम सामने हैं। ग्रीष्म ऋतु अधिक कठोर हो रही है, वर्षा का क्रम असंतुलित हो रहा है, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा दिखाई देता है, भूजल स्तर नीचे जा रहा है, और नगरों की हवा स्वास्थ्य के लिए संकट बन रही है। प्रकृति संकेत दे रही है कि संतुलन टूट रहा है, पर मनुष्य अभी भी अनेक स्थानों पर असावधान बना हुआ है।

भारत के सामने यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ जनसंख्या विशाल है, विकास की आकांक्षा प्रबल है और संसाधनों पर दबाव निरंतर बढ़ रहा है। एक ओर सौर ऊर्जा, हरित परिवहन, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और वृक्षारोपण जैसे प्रयास हो रहे हैं, दूसरी ओर नदियों में गंदगी, नगरों में धुआँ, खेतों में रासायनिक निर्भरता और प्लास्टिक का फैलाव चिंता का विषय बना हुआ है। इसका अर्थ यह है कि नीति और व्यवहार के बीच अभी भी दूरी बनी हुई है। योजनाएँ बनना पर्याप्त नहीं, उनका समाज में संस्कार बनना आवश्यक है।

यदि पूर्वांचल, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति देखी जाए, तो स्थानीय स्तर पर भी अनेक संकेत स्पष्ट हैं। पुराने तालाबों का अस्तित्व घटा है, अनेक पोखरे अतिक्रमण की भेंट चढ़े हैं, वर्षा का जल संग्रहित होने के स्थान कम हुए हैं, पेड़ों की संख्या घटी है, और गर्मी का प्रभाव बढ़ा है। गाँवों में पहले आम, नीम, पीपल, बरगद और बांस के समूह तापमान को संतुलित रखते थे। आज ऐसे प्राकृतिक छायास्थल कम होते जा रहे हैं। यह केवल सौंदर्य का नहीं, जीवन रक्षा का प्रश्न है।

एक तथ्य प्रायः विमर्श से बाहर रह जाता है कि पर्यावरण संकट का सबसे अधिक भार निर्धन वर्ग उठाता है। जिनके पास साधन हैं, वे शीतलन यंत्र लगा सकते हैं, जल खरीद सकते हैं, बेहतर स्थान पर जा सकते हैं; पर खेत में काम करने वाला किसान, रिक्शा चलाने वाला श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, फुटपाथ व्यापारी और कच्चे घर में रहने वाला परिवार सीधी मार झेलता है। इसलिए पर्यावरण का प्रश्न केवल प्रकृति का नहीं, सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। जो जितना कम दोषी है, वह उतना अधिक पीड़ित दिखाई देता है।

शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर विचार आवश्यक है। विद्यालयों में पृथ्वी दिवस पर भाषण, चित्रकला और पौधारोपण होते हैं, पर अगले ही दिन वही परिसर प्लास्टिक और अपव्यय से भर जाता है। बच्चों को पाठ पढ़ाया जाता है, पर जीवन अभ्यास नहीं कराया जाता। यदि प्रत्येक विद्यालय वर्षा जल संचयन, कचरा पृथक्करण, खाद निर्माण, रसोई उद्यान और ऊर्जा बचत का आदर्श केंद्र बने, तो नई पीढ़ी स्वभाव से पर्यावरण संरक्षक बन सकती है। पुस्तकीय ज्ञान से अधिक प्रभाव व्यवहारिक अनुशासन का होता है।

कृषि क्षेत्र में भी परिवर्तन की आवश्यकता है। मिट्टी की उर्वरता निरंतर घट रही है। रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता बढ़ी है, सिंचाई महंगी हुई है और जल स्तर नीचे जा रहा है। यदि प्राकृतिक खेती, कम जल वाली फसलें, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, जैविक खाद और स्थानीय बीजों का संरक्षण बढ़ाया जाए, तो भूमि और किसान दोनों को लाभ होगा। खेती केवल उत्पादन का साधन नहीं, धरती की रक्षा का माध्यम भी है। किसान यदि सशक्त होगा, तो पर्यावरण भी सुरक्षित होगा।

नगरों के लिए समाधान अलग प्रकार के हैं। सार्वजनिक परिवहन मजबूत हो, पैदल पथ और साइकिल पथ बढ़ें, भवन निर्माण में ऊर्जा बचत अनिवार्य हो, खुले मैदान और हरित पट्टी सुरक्षित रखी जाए, और कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण हो। नगर निकाय यदि केवल सफाई तक सीमित न रहकर संसाधन प्रबंधन की संस्था बनें, तो व्यापक परिवर्तन संभव है। नगरों को फैलाने के साथ-साथ उन्हें सांस लेने योग्य बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

अब सामान्य नागरिक की भूमिका पर विचार करें। प्रत्येक व्यक्ति बहुत कुछ कर सकता है। एकल उपयोग प्लास्टिक छोड़ सकता है, जल का संयमित प्रयोग कर सकता है, अनावश्यक प्रकाश और विद्युत उपकरण बंद रख सकता है, निजी वाहन का कम उपयोग कर सकता है, स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता दे सकता है, वृक्षों की रक्षा कर सकता है, कचरा अलग-अलग कर सकता है और बच्चों को प्रकृति से जोड़ सकता है। छोटे कदम तुच्छ नहीं होते; जब करोड़ों लोग उन्हें अपनाते हैं, तो वही राष्ट्रीय परिवर्तन बनते हैं।

शासन के लिए भी कुछ स्पष्ट दिशाएँ हैं। जलाशयों और नदियों पर अतिक्रमण रोका जाए, प्रदूषण फैलाने वालों पर त्वरित दंड हो, प्रत्येक जिले के लिए जल योजना बने, ग्राम पंचायतों को पर्यावरण निधि मिले, वृक्ष कटान पर कठोर नियंत्रण हो, और विकास योजनाओं का वास्तविक पर्यावरणीय मूल्यांकन किया जाए। केवल कागज पर अनुमति देकर प्रकृति की रक्षा नहीं हो सकती। प्रशासनिक इच्छाशक्ति आवश्यक है।

आज पृथ्वी दिवस का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हमने कितने पौधे लगाए, बल्कि यह है कि हमने कितने वृक्ष बचाए। प्रश्न यह नहीं कि कितने भाषण हुए, बल्कि यह है कि कितनी आदतें बदलीं। प्रश्न यह नहीं कि कितनी योजनाएँ बनीं, बल्कि यह है कि कितने तालाब बचे, कितनी नदियाँ स्वच्छ हुईं, कितनी हवा शुद्ध हुई और कितनी मिट्टी स्वस्थ हुई।

पृथ्वी हमारे पूर्वजों की छोड़ी संपत्ति मात्र नहीं है, यह आने वाली पीढ़ियों से लिया गया उधार है। यदि हम इसे नष्ट अवस्था में सौंपेंगे, तो यह नैतिक अन्याय होगा। इसलिए अब समय है कि विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, सहयोगी मानकर आगे बढ़ा जाए। सच्ची समृद्धि वही है जिसमें उद्योग भी बढ़े, खेत भी बचे, वन भी रहें, जल भी बचे और मनुष्य भी स्वस्थ रहे।

धरती को नारे नहीं चाहिए, उत्तरदायी समाज चाहिए। पौधा लगाना आरंभ है, उसे बचाना धर्म है। जल बचाना कर्तव्य है। प्रदूषण रोकना आत्मरक्षा है। जब समाज यह समझ लेगा कि पर्यावरण बाहर की वस्तु नहीं, हमारे अस्तित्व का आधार है, तभी पृथ्वी दिवस का वास्तविक अर्थ सिद्ध होगा। तभी मानव प्रगति और प्रकृति संरक्षण साथ-साथ चल सकेंगे।

- अवनीश कुमार गुप्ता
साहित्यकार एवं स्वतंत्र स्तंभकार

जेईई मेन 2026 में एलन पटना का शानदार प्रदर्शन, शुभम कुमार बने बिहार टॉपर

पटना। देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन 2026 के घोषित परिणामों में एलन करियर इंस्टिट्यूट, पटना के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित की है। संस्थान के मेधावी छात्र शुभम कुमार ने ऑल इंडिया रैंक 6 हासिल कर बिहार टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। एलन के अन्य विद्यार्थियों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इनमें अमोद (ऑल इंडिया रैंक 825), सौरव कुमार वर्मा (ऑल इंडिया रैंक 1295, ओबीसी रैंक 229), श्यामली कुमारी (ऑल इंडिया रैंक 1464), आदर्श कुमार (ऑल इंडिया रैंक 2349), नलिन प्रभात (ऑल इंडिया रैंक 2448) और आशीष रंजन (ऑल इंडिया रैंक 2019, ओबीसी रैंक 371) शामिल हैं।

मोदी सरकार का महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अधिकार के गलत आकलन

अशोक भाटिया

कहा जा रहा है कि मोदी सरकार का महिलाओं के प्रतिनिधित्व के अधिकार के गलत आकलन के कारण ही 131वां संवैधानिक (संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा में पारित नहीं हो सका। इस विधेयक का उद्देश्य विस्तारित सदन में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ावा देना था, जहां 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सीटों का पुनर्वितरण किया जाना था।

लेकिन सबसे पहले, मोदी सरकार की पिछले सप्ताह 131वां संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश करने की रणनीति पर गौर करें। इसके पीछे सरकार का यह आकलन था कि जिन राज्यों में लोकसभा में सीटों की संख्या घटने की आशंका है, वहां की राजनीतिक पार्टियां 2029 तक आरक्षण न मिलने की स्थिति में महिलाओं के आक्रोश के डर से विधेयक के पक्ष में मतदान करेंगी। दूसरे शब्दों में, वे लोकसभा में अपने राज्यों के प्रभाव में कमी आने की तुलना में महिलाओं का समर्थन खोने को ज्यादा अहमियत देंगी।

यह आकलन महिलाओं के एक अत्यंत विशाल, एकजुट समूह के अस्तित्व को मानता है जो राजनीतिक रूप से इतना जागरूक है कि वे अपने और अपने परिवार की भौतिक आवश्यकताओं की तुलना में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देती हैं। यदि यह धारणा सही होती, तो पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार, जिसने 1992-93 में स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था, 1996 में सत्ता से बेदखल नहीं होती।

मार्क्सवादी शब्दों में कहें तो, महिलाएं न तो ₹अपने आप में एक वर्ग₹ हैं और न ही ₹अपने लिए एक वर्ग₹। सभी महिलाओं की आर्थिक स्थिति एक जैसी नहीं होती, जिसके कारण वे अधिकांश नीतियों पर एकजुट नहीं हो पातीं क्योंकि ये नीतियां उनके विभिन्न वर्गों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि 1990 के दशक की तुलना में महिलाओं का एक बढ़ता हुआ, अपेक्षाकृत एकजुट जनसमूह मौजूद है, जो मताधिकार के प्रयोग सहित पुरुषों के नियंत्रण से तेजी से स्वायत्त हो रहा है। फिर भी यह भी सच है कि यह जनसमूह राज्य और महिलाओं के बीच लेन-देन संबंधी संबंधों के कारण उभरा है। बिहार, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र - वे राज्य जहां मई 2024 से विधानसभा चुनाव हुए हैं - में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उन सत्तारूढ़ दलों को मतदान किया जिन्होंने उनके बैंक खातों में धन हस्तांतरित किया।

मोदी और भाजपा इस तथ्य को समझने में विफल रहे कि महिलाओं के लिए आरक्षण की तुलना में नकद हस्तांतरण कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। इसी गलतफहमी के चलते उन्होंने 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से कुछ दिन पहले बुलाया, यह सोचकर कि वहां की सत्ताधारी पार्टियां महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करेंगी, बजाय इसके कि वे महिलाओं का समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम, दोनों ने ही महिलाओं के लिए आरक्षण की बजाय भारत की संघीय संरचना को प्राथमिकता देना बेहतर समझा। यह बात बिल्कुल समझ में आती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ही लीजिए, जिन्हें महिलाओं के बीच जबरदस्त समर्थन प्राप्त है, जो उनके द्वारा महिलाओं को दी गई आर्थिक सहायता पर आधारित है। उदाहरण के लिए, लक्ष्मी भंडार योजना के तहत, बनर्जी 2021 से 25-60 वर्ष की महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये हस्तांतरित कर रही हैं, जिसे 2026 के बजट में बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दिया गया है। उन लड़कियों को भी भुगतान किया जाता है जो अपनी शिक्षा जारी रखती हैं और 18 वर्ष की आयु में विवाह नहीं करती हैं; साथ ही गरीब परिवारों को अपनी बेटियों का विवाह करने के लिए अनुदान भी दिया जाता है।

ये योजनाएँ महिलाओं के लिए आरक्षण की तुलना में चुनावी दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावी साबित होंगी, खासकर इसलिए क्योंकि लैंगिक प्रतिनिधित्व के मामले में तृणमूल का प्रदर्शन भाजपा से कहीं बेहतर है। तृणमूल ने मौजूदा विधानसभा चुनाव में 55 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जो भाजपा से 22 अधिक हैं। इसके अलावा, तृणमूल के 38 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं, जो सभी दलों में सबसे अधिक है; बंगाल में 13.7 प्रतिशत विधायक महिलाएं हैं, जो सभी राज्य विधानसभाओं में दूसरा सबसे अधिक आंकड़ा है।

लैंगिक प्रतिनिधित्व के मामले में डीएमके का प्रदर्शन निराशाजनक है–इसके 22 सांसदों में से केवल तीन और 133 विधायकों में से छह महिलाएं हैं। फिर भी, डीएमके महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये का हस्तांतरण करके उनसे अपना संबंध मजबूत कर सकती है। पार्टी के सत्ता में लौटने पर महिलाओं को अपनी पसंद के घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपये के कूपन मिलेंगे। करोड़ों महिलाओं को ऐसी कई योजनाओं का लाभ मिल रहा है, इसके विपरीत 33 प्रतिशत आरक्षण से तमिलनाडु विधानसभा में केवल 77 महिला विधायक ही आ पाएंगी।

कोलकाता स्थित साबर इंस्टीट्यूट के अनुसार, कम से कम पश्चिम बंगाल में, यह भाजपा है जिसे महिलाओं के गुस्से के बारे में चिंता करनी चाहिए, क्योंकि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के कारण राज्य की मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं में से 61.8 प्रतिशत मतदाता हैं। माना जाता है कि इन विलोपनों को जानबूझकर किया गया है, जिसका उद्देश्य तृणमूल के सामाजिक आधार को कम करना है। इन महिलाओं की महिला रिश्तेदारें भाजपा के खिलाफ भड़क उठीं।

फिर भी, अगर तृणमूल और द्रमुक को टक्कर मिलती है, तो भाजपा 131वें संविधान (संशोधन) विधेयक के खिलाफ अपने वोट को अपनी हार का कारण बताएगी। मीडिया, जैसा कि उसकी आदत है, भाजपा के विश्लेषण को बढ़ाएगा, प्रभावी रूप से बड़े पैमाने पर एसआईआर-प्रेरित मताधिकार से ध्यान हटा देगा, क्योंकि उनकी हार के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक है। लोकसभा में 131वें संविधान (संशोधन) विधेयक के पतन का भाजपा के लिए यह एक उपयोग है। द्रमुक के समर्थकों ने 16 अप्रैल, 2026 को चेन्नई में पार्टी कार्यालय में विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रस्तावित परिसीमन विधेयक की प्रतियां जलाईं।

भाजपा के लिए इसका एक और उपयोग एक अभियान का निर्माण करना होगा, जैसा कि मोदी के 18 अप्रैल के भाषण से स्पष्ट था, विपक्षी दलों को खलनायक के रूप में पेश करने के लिए, जो महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए एकजुट हुए थे; कि वह सभी नेताओं में से अकेले ही महिलाओं के हितों को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। एक झूठी कहानी पर आधारित यह अभियान आम तौर पर मोदी की प्लेबुक से है, जिसमें खुद को कमजोर लोगों के मसीहा के रूप में चित्रित किया गया है, जो उन्हें सशक्त बनाने के लिए जोखिम उठा रहा है। उदाहरण के लिए, नोटबंदी की अपनी नीति के बुरी तरह से गलत होने के बाद, मोदी ने 13 नवंबर, 2016 को गोवा में कहा, मैं इन चीजों को करना बंद नहीं करूंगा, भले ही आप मुझे जिंदा जला दें... वे मुझे बर्बाद कर सकते हैं क्योंकि उनकी 70 साल की लूट मुसीबत में है...₹ मई 2017 में, नीम-लेपित यूरिया लाने के सरकार के फैसले के बारे में, मोदी ने कहा, ₹क्या आपको यह कदम उठाने से नहीं लगता ... मैंने कालाबाजारियों का कारोबार बंद कर दिया है? क्या आपको नहीं लगता कि वे इसका बदला लेंगे? मैं अपनी मौत [मौत] को मुट्ठी [मुट्ठी] में ले जाता हूं।

जिस तरह वह अतीत में ी१२३९ वर्ग युद्ध में लगे हुए थे, उसी तरह अब वह ी१२३९ लिंग राजनीति में भी ऐसा करेंगे। वह सफल नहीं हो सकता है क्योंकि महिलाओं का सशक्तिकरण वर्ग, जाति और लिंग के अतिव्यापी कारकों के कारण है, न कि विधायिकाओं में उनके खराब प्रतिनिधित्व के कारण। महिलाएं पुरुषों के खिलाफ शिकायतों को उसी हद तक नाराज या नर्स नहीं करती हैं जैसे निम्न वर्ग अभिजात वर्ग के खिलाफ करते हैं।

विदेश नीति में, मोदी और भाजपा का आकलन भारत के वैश्विक महत्व और व्यक्तिगत कूटनीति की प्रभावशीलता के प्रति उनके अतिरंजित विश्वास के कारण गलत साबित हुआ। विपक्षी दलों के बारे में उनका आकलन भी गलत निकला क्योंकि लगातार 12 वर्षों की जीत से उपजे उनके अहंकार ने उन्हें यह देखने से अंधा कर दिया कि महिलाएं आरक्षण देने वाली पार्टियों की तुलना में उन पार्टियों को प्राथमिकता देती हैं जो उनके जीवन को आसान बनाती हैं। विपक्ष द्वारा महिलाओं को दिए गए पर्याप्त लाभों ने उन्हें भाजपा द्वारा उनमें पैदा किए जाने वाले भय से बचा लिया।

मोबाइल की स्क्रीन पर सिमटा लोकतंत्र, एल्गोरिद्म तय कर रहे जनमत

-सुरेश गांधी

मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन पर सिमटता लोकतंत्र आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। कभी चौपालों, नुक्कड़ों और जनसभाओं में सांस लेने वाला लोकतंत्र अब एल्गोरिद्म, डेटा और वायरल कंटेंट के बीच अपनी दिशा तलाश रहा है। फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म, जो कभी संवाद के माध्यम थे, अब चुनावी रणनीति के सबसे तेज हथियार बन चुके हैं। फ्री सेवा के नाम पर जुटाया गया डेटा अब मतदाता की सोच को प्रभावित करने का औजार बन गया है। एल्गोरिद्म तय कर रहे हैं कि आप क्या देखेंगे, क्या सोचेंगे और अंततः किसे चुनेंगे। चुनावी मैदान में अब मुद्दों से ज्यादा नैरेटिव लड़ रहे हैं, और सच्चाई से पहले अफवाहें जीत रही हैं। सवाल यह है, क्या यह तकनीकी विस्तार लोकतंत्र को मजबूत कर रहा है, या उसे एक अदृश्य जाल में उलझा रहा है?

इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की सीमाएं तकनीक की रफ्तार के सामने छोटी पड़ती दिखती हैं, जबकि राजनीतिक दल डिजिटल प्रचार पर खुलकर निवेश कर रहे हैं। गांव की चौपाल से लेकर शहर की बहस तक, हर जगह एक अदृश्य खेल चल रहा है, जहां मतदाता यूजर नहीं, बल्कि डेटा प्रोफाइल बन चुका है। यह सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सवाल है। अगर समय रहते इसे नहीं समझा गया, तो आने वाले चुनाव मतपत्रों से नहीं, बल्कि मोबाइल के फॉरवर्ड और एल्गोरिद्म के इशारों पर तय होंगे.

ये आज के डिजिटल लोकतंत्र के सबसे प्रभावशाली मंच बन चुके हैं। लेकिन इसी के साथ एक गहरी चिंता भी उभर रही है, क्या यह डिजिटल विस्तार लोकतंत्र को मजबूत कर रहा है, या उसे एक अदृश्य जाल में उलझा रहा है? वैसे भी लोकतंत्र की बुनियाद सूचना पर टिकी होती है. या यूं कहे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है, सूचना। लेकिन जब यही सूचना झूठ या भ्रामक बन जाती है, तो वही ताकत सबसे बड़ा खतरा भी बन जाती है। लोकतंत्र की पूरी इमारत हिलने लगती है।

आज का सबसे बड़ा संकट यही है कि सच अब सूचना नहीं, विकल्प बन गया है; और झूठ, एक रणनीति। आज देश का मतदाता जितना जागरूक दिखता है, उतना ही वह डिजिटल भ्रमजाल के बीच खड़ा है। एक क्लिक, एक शेयर और एक फॉरवर्ड, इतना काफी है किसी भी मुद्दे को हवा देने के लिए। वाट्स्प के एक ग्रुप से निकली अफवाह, फेसबुक पर वायरल होती है और इंस्टाग्राम के जरिए भावनाओं का रूप ले लेती है। जब तक सच्चाई सामने आती है, तब तक झूठ अपना काम कर चुका होता है, मतदाता की सोच को प्रभावित कर चुका होता है। यह अलग बात है कि फेसबुक, वाट्स्प एवं इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म ने सूचना को लोकतांत्रिक जरूर बनाया, लेकिन उसी के साथ फेक न्यूजह्व को भी अभूतपूर्व ताकत दे दी। अब हर व्यक्ति एक संभावित प्रकाशक है, बिना किसी संपादकीय जिम्मेदारी, बिना किसी सत्यापन के। फेक न्यूज की सबसे बड़ी ताकत उसकी सच्चाई नहीं, बल्कि उसकी संवेगशीलता है।

सूचना से भ्रम तक : लोकतंत्र की नींव में दरार

लोकतंत्र की असली ताकत सूचना होती है, लेकिन जब यही सूचना भ्रामक हो जाए, तो वही ताकत सबसे बड़ा खतरा बन जाती है। आज सच एक विकल्प बन चुका है और झूठ एक रणनीति।

लोकतंत्र की असली ताकत मतदाता माना जाता था, लेकिन डिजिटल दौर में यह सच तेजी से बदल रहा है। अब जनमत चौपालों या बहसों में नहीं, बल्कि मोबाइल स्क्रीन के भीतर, चुपचाप एल्गोरिद्म की पकड़ में गढ़ा जा रहा है। मतदाता सोचता है कि वह अपनी समझ से फैसला ले रहा है, जबकि हकीकत यह है कि उसकी पसंद, उसकी राय और उसका निर्णय पहले से ही डेटा और डिजिटल रणनीतियों द्वारा दिशा तय कर चुके होते हैं। फेक न्यूज, टारगेटेड कंटेंट और माइक्रो-टारगेटिंग का ऐसा जाल बुना जा चुका है, जिसमें सच पीछे छूट जाता है और भावनाएं आगे दौड़ती हैं। चुनाव अब मुद्दों की लड़ाई नहीं, बल्कि नैरेटिव की जंग बन चुके हैं। अगर यह सिलसिला यूं ही जारी रहा, तो आने वाले समय में वोट मतदाता नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म तय करेंगेकृऔर यही लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है

एक क्लिक, एक शेयर और एक फॉरवर्ड, इतना ही काफी है जनमत को प्रभावित करने के लिए। फेक न्यूज की सबसे बड़ी ताकत उसकी सच्चाई नहीं, बल्कि उसकी संवेगशीलता है। जो खबर गुस्सा पैदा करे, वह तेजी से फैलती है; जो डर पैदा करे, वह तुरंत वायरल होती है। यही कारण है कि झूठ इंसानी मनोविज्ञान का फायदा उठाता है, जबकि सच को समय और प्रमाण की जरूरत होती है।

अफवाह का विज्ञान : क्यों तेजी से फैलता है झूठ?

डिजिटल युग में सूचना का मूल्य उसकी सच्चाई से नहीं, बल्कि उसकी उत्तेजना से तय होता है। गुस्सा जगाने वाली खबरकृसबसे तेजी से फैलती है. डर पैदा करने वाला संदेश, तुरंत शेयर होता है. पूर्वाग्रह को पुष्ट करने वाला कंटेंट, तुरंत स्वीकार होता है. यानी, झूठ अब सूचना नहीं, बल्कि भावना बन चुका है।

चुनाव और फेक न्यूज : खतरनाक गठजोड़

चुनावी दौर में यह संकट और गहरा हो जाता है। एडिटेड वीडियो, पुराने फोटो को नया बताना, विरोधियों के खिलाफ झूठे नैरेटिव गढ़ना, जाति-धर्म के आधार पर भावनाएं भड़काना, यह सब अब चुनावी रणनीति का हिस्सा बन चुका है। जब तक खंडन होता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर है, जहां व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी ही सूचना का मुख्य स्रोत बन चुकी है। वहां एक वायरल संदेश ही सच बन जाता है।

एल्गोरिद्म का खेल : आपको वही दिखेगा, जो आपको प्रभावित करे

आज लोकतंत्र सिर्फ मतपेटियों का खेल नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म और डेटा का जटिल तंत्र बन चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सच नहीं, बल्कि एंगेजमेंट को प्राथमिकता देते हैं। जो ज्यादा क्लिक हो, वही ज्यादा दिखे, जो ज्यादा विवाद पैदा करे, वही ज्यादा फैले. इससे इको चैंबर बनता है, जहां व्यक्ति सिर्फ वही देखता है, जो उसकी सोच से मेल खाता है। विरोधी विचार धीरे-धीरे गायब हो जाते हैं, और लोकतंत्र का संवाद टकराव में बदल जाता है।

डेटा का कारोबार : यूजर नहीं, प्रोडक्ट बन चुका है नागरिक

सोशल मीडिया का सबसे बड़ा भ्रम है, सब कुछ मुफ्त। असलियत यह है कि यहां कीमत आपके डेटा से चुकाई जाती है। आपकी पसंद, आपकी गतिविधि, आपकी सोच, सब रिकॉर्ड होती है. उसी डेटा के आधार पर आपको टारगेट किया जाता है. यानी आम नागरिक अब ग्राहक नहीं, बल्कि प्रोडक्ट बन चुका है। यही वह बिंदु है जहां लोकतंत्र और बाजार की सीमाएं धुंधली होने लगती हैं।

माइक्रो-टारगेटिंग : मतदाता अब डेटा प्रोफाइल

डिजिटल चुनावी रणनीति का सबसे खतरनाक पहलू है माइक्रो-टारगेटिंग। युवाओं को रोजगार का संदेश, किसानों को एमएसपी का वादा, महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा. हर वर्ग के लिए अलग नैरेटिव तैयार किया जाता है। खतरा यह है कि मतदाता को पूरा सच नहीं, बल्कि चुना हुआ सच दिखाया जाता है।

क्या कानून नाकाफी हैं?

भारत में फेक न्यूज से निपटने के लिए नियम मौजूद हैं, लेकिन : कार्रवाई धीमी है. स्रोत पकड़ना मुश्किल है. प्लेटफॉर्म की जवाबदेही स्पष्ट नहीं. चुनाव आयोग के पास अधिकार हैं, लेकिन तकनीक की रफ्तार उन नियमों से कहीं तेज है।

समाधान : सिर्फ सरकार नहीं, समाज भी जिम्मेदार

इस संकट का समाधान बहुआयामी होना चाहिए, प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय हो, रियल-टाइम फैक्ट-चेक सिस्टम विकसित हो. डिजिटल साक्षरता बढ़ाई जाए. राजनीतिक पारदर्शिता सुनिश्चित हो. नागरिक सतर्कता सबसे अहम हो.

लोकतंत्र की असली लड़ाई : वोट नहीं, विवेक की

आज लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा मोबाइल स्क्रीन पर हो रही है। यह लड़ाई वोट की नहीं, बल्कि विवेक की है। अगर मतदाता सच और झूठ में फर्क नहीं कर पाएगा, तो चुनाव निष्पक्ष नहीं रहेंगे, चाहे प्रक्रिया कितनी भी पारदर्शी क्यों न हो।

फैसला हमारे हाथ में है

तकनीक ने लोकतंत्र को तेज, व्यापक और सशक्त बनाया है, लेकिन उसी तकनीक ने उसे भ्रम और दुष्प्रचार के खतरे में भी डाल दिया है। अब फैसला हमें करना है, क्या हम इस तकनीक का इस्तेमाल लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए करेंगे, या उसे डिजिटल जाल में फंसने देंगे? क्योंकि अगर समय रहते संतुलन नहीं बनाया गया, तो वह दिन दूर नहीं जब चुनाव मतपेटियों से नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म और वायरल पोस्ट से तय होंगे। और तब लोकतंत्र वही होगा, जो हमारी स्क्रीन पर दिखाया जाएगा, न कि वह, जो सच में मौजूद है।

महिला सुरक्षाः चुनौतियाँ और समाधान

-विक्रम दयाल

आधुनिक भारत में महिलाएँ विज्ञान, शिक्षा, राजनीति, खेल और व्यवसाय जैसे हर क्षेत्रों में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। वे केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की सक्रिय भागीदार भी हैं। इसके बावजूद, एक कड़वी सच्चाई यह है कि आज भी महिलाओं की सुरक्षा एक गंभीर और जटिल समस्या बनी हुई है। यह विडंबना ही है कि जिस समाज में नारी को शक्ति और ममता का प्रतीक माना जाता है, उसी समाज में वह स्वयं को असुरक्षित महसूस करती है।समस्या का व्यापक स्वरूपः महिला असुरक्षा केवल एक घटना या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर स्तर पर व्याप्त है। सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़, कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न, घर के भीतर घरेलू हिंसा, और डिजिटल दुनिया में साइबर अपराध–ये सभी मिलकर महिलाओं के लिए भय का वातावरण तैयार करते हैं।विशेष रूप से, महानगरों में देर रात तक काम करने वाली कर्मठ समहिलाओं की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और जागरूकता की कमी के कारण कई घटनाएँ सामने ही नहीं आ पातीं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल कानून की नहीं, बल्कि अन्य सामाजिक ढांचे की भी है।मुख्य चुनौतियाँः सामाजिक मानसिकताः महिला सुरक्षा के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा हमारी पुरानी और संकीर्ण सोच है। आज भी कई लोग महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझते हैं और उनकी स्वतंत्रता को सीमित करना चाहते हैं। पीड़िता को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति (Victim BlÔmi»»fg) समाज में गहराई से जमी हुई है, जो न्याय की प्रक्रिया को कमजोर करती है। कानून और व्यवस्था की कमजोरीः हालाँकि महिला सुरक्षा के लिए अनेक सख्त कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी एक चुनौती है। पुलिस की धीमी कार्यवाही, लंबी न्यायिक प्रक्रिया और कम सजा दर के कारण अपराधियों के मन में डर कम हो जाता है। शिक्षा और जागरूकता की कमीः कई महिलाएँ अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होती हैं। उन्हें यह पता ही नहीं होता कि उनके साथ हो रहा व्यवहार अपराध की श्रेणी में आता है। शिक्षा की कमी उन्हें अपने हक के लिए आवाज उठाने से रोकती है। तकनीकी दुरुपयोगः डिजिटल युग में जहाँ तकनीक ने जीवन को सरल बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने नई समस्याएँ भी पैदा की हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, फेक प्रोफाइल बनाकर उत्पीड़न, और निजी तस्वीरों का दुरुपयोग जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। समाधान की दिशा में कदमः- सोच में बदलावः समाज में लैंगिक समानता की भावना को बढ़ावा देना सबसे आवश्यक कदम है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना चाहिए कि महिला और पुरुष दोनों समान हैं और एक-दूसरे का सम्मान करना जरूरी है। सख्त और त्वरित न्याय व्यवस्थाः अपराधियों को शीघ्र और कठोर सजा मिलनी चाहिए। फास्ट-ट्रैक अदालतों को और प्रभावी बनाकर न्याय प्रक्रिया को तेज किया जा सकता है, जिससे अपराधियों में भय उत्पन्न हो।महिला सशक्तिकरणः महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। आत्मनिर्भर महिला न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनती है। आत्मरक्षा प्रशिक्षणः स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और संकट के समय वे अपनी रक्षा कर सकेंगी। तकनीकी और प्रशासनिक सुधारः सरकार को हेल्पलाइन सेवाओं, मोबाइल सुरक्षा ऐप्स और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करना चाहिए। पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील व्यवहार भी अत्यंत आवश्यक है। निष्कर्षः महिला सुरक्षा केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि यह मानवाधिकारों से जुड़ा प्रश्न है। जब तक हर महिला बिना भय के अपने घर से बाहर निकलने और अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम नहीं होगी, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। समाज, सरकार और प्रत्येक नागरिक को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम एक ऐसा वातावरण बनाएँगे जहाँ महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता प्राप्त हो। क्योंकि एक सुरक्षित नारी ही एक सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला होती है।

अजय पाठक को पुनः बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता की मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र भाजपा ने नागपुर भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता अजय पाठक को पुनः प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया। पिछले तीन सालों में प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी पक्ष रखते है । भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता अजय पाठक लोकसभा, विधानसभा और कॉर्पोरेशन में भाजपा द्वारा दी गई जिम्मेदारियां का बड़ी ही बारीकी से निर्वहन करते हैं । इसीलिए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें दोबारा प्रवक्ता बनाकर भरोसा जताया कि पाठक पार्टी की नितियों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जन-जन तक पहुंचने का काम करेंगे। पाठक ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चौहान तथा विदर्भ संगठन मंत्री उपेन्द्र कोठेकर ने जो जिम्मेदारी दी है मैं पुरी निष्ठा से उसका निर्वहन करूंगा।

भिवंडी में 1.85 लाख की बिजली चोरी का मामले में एक आरोपी पर मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी में बिजली आपूर्ति और बिल वसूली करने वाली टोरंट पावर कंपनी द्वारा बिजली चोरी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एक और मामला सामने आया है, जिसमें करीब 1 लाख 85 हजार 722 रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, माधव नगर क्षेत्र स्थित मरहूम मुनीर अंसारी मंज़िल इमारत में रहने वाले अंसारी जुबेर अहमद ने अपने आर्थिक लाभ के लिए पास के ट्रांसफॉर्मर के फ्यूज सेक्शन पिलर से केबल जोड़कर बिजली मीटर को बायपास किया और अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने लगभग एक वर्ष के दौरान 7,526 यूनिट बिजली का उपयोग कर कुल 1,85,722 रुपये की चोरी की। मामले का खुलासा होने के बाद टोरंट पावर कंपनी के प्रतिनिधि की शिकायत पर शांतीनगर पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

भिवंडी में स्वच्छता को लेकर मनपा के बेड़े में शामिल हुईं दो मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनें, महापौर ने नारियल तोड़कर किया लोकार्पण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में बढ़ती गंदगी और सड़कों पर उड़ने वाली धूल से परेशान नागरिकों को राहत देने के लिए भिवंडी मनपा ने बड़ा कदम उठाया है। स्वच्छता विभाग के बेड़े में जिला नियोजन समिति के फंड से दो आधुनिक मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनें शामिल की गई हैं। इन मशीनों का लोकार्पण महापौर नारायण चौधरी के हाथों आयुक्त अनमोल सागर और उपमहापौर तारिक मोमिन की प्रमुख उपस्थिति में नारियल फोड़कर किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, नयना ससाणे, उपायुक्त विक्रम दराडे, सपना वसावा सहित नगरसेवक, अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि मनपा के स्वच्छता बेड़े में कुल सात मैकेनिकल झाड़ू वाहन शामिल किए जाएंगे। इनमें से दो वाहन केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत और तीन वाहन जिला नियोजन समिति के माध्यम से अगले महीने तक शामिल होंगे। इन आधुनिक मशीनों की खासियत यह है कि सड़क की सफाई के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र में पानी का छिड़काव करती है जिससे धूल पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

घाटकोपर पश्चिम में मनपा स्कूल को अत्याधुनिक बनाने के लिए कार्य को मंजूरी, शिक्षा सुविधाओं में होगा व्यापक सुधार

मुंबई। महाराष्ट्र में शिक्षा का स्तर अत्याधुनिक तर्ज पर विकसित करने के लिए ऐतिहासिक कार्य शुरू है। इसी कड़ी में राज्य के मुख्यमंत्री का आशीर्वाद तथा घाटकोपर के विधायक राम कदम के विशेष प्रयासों से वार्ड क्रमांक 129 स्थित जय महाराष्ट्र गणेश मैदान परिसर में स्थित बीएमसी स्कूल के (सुधार एवं नवीनीकरण) कार्य को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस रैपिंग कार्य के अंतर्गत स्कूल भवन की मरम्मत, दीवारों का सुदृढ़ीकरण, रंग-रोगन, छत की देखभाल, स्वच्छता सुविधाओं का उन्नयन तथा परिसर की समग्र रूप से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से इस स्कूल के विकास कार्य की मांग की जा रही थी, क्योंकि भवन की स्थिति धीरे-धीरे जर्जर होती जा रही थी और विद्यार्थियों को कई असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में इस कार्य को मंजूरी मिलना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विधायक राम कदम के प्रयासों की सराहना करते हुए नागरिकों ने कहा कि यह पहल न केवल स्कूल के भौतिक स्वरूप को बेहतर बनाएगी, बल्कि बच्चों के मनोबल और शिक्षा के स्तर को भी बढ़ाने में सहायक होगी। अभिभावकों ने विश्वास जताया कि इस कार्य के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए मुख्यमंत्री और विधायक राम कदम का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी ऐसे विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एलन करियर इंस्टीट्यूट के कबीर छिल्लर ने जेईई मेन 2026 में हासिल की ऑल इंडिया रैंक 1

मुंबई/पटना। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2026 के सेशन-2 के परिणाम और ऑल इंडिया रैंक जारी कर दिए हैं। एलन करियर इंस्टीट्यूट ने एक बार फिर परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। एलन करियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि अब तक सामने आए परिणामों में एलन क्लासरूम छात्र कबीर छिल्लर ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की है। संस्थान की निरंतर उत्कृष्टता को दर्शाते हुए एलन क्लासरूम के चार छात्रों ने टॉप 10 में स्थान बनाया है।

कबीर छिल्लर (एयर 1) के साथ अर्नव गौतम ने एयर 5, शुभम कुमार ने एयर 6 और ऋषि प्रेमनाथ ने एयर 8 प्राप्त की है। इसके अलावा एलन क्लासरूम के 9 छात्रों ने टॉप 20 में जगह बनाई है, जबकि 39 छात्रों ने ऑल इंडिया रैंक की टॉप 100 सूची में स्थान हासिल किया है। नितिन कुकरेजा ने बताया कि परिणामों की प्रामाणिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एलन के रिजल्ट्स का स्वतंत्र सत्यापन देश की अग्रणी ऑडिट फर्मों में से एक ईवाई इंडिया द्वारा किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो वर्षों में आईआईटी में प्रवेश पाने वाले हर चार छात्रों में से एक छात्र एलन करियर इंस्टीट्यूट से रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भिवंडी में छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर संपन्न, सैकड़ों नागरिकों सैकड़ों नागरिकों ने उठाया लाभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार की पहल पर आयोजित ह्यछत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविरह्न का आयोजन भिवंडी तालुका के कालवार स्थित पाचगांव शांति समिति सभागार में शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर खारबाव राजस्व मंडल के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में भिवंडी ग्रामीण के विधायक शांताराम मोरे, तहसीलदार अभिजीत खोले, भूमि अभिलेख विभाग के उपअधीक्षक हमजादे तथा पाचगांव शांति उन्नति मंडल के अध्यक्ष पंढरीनाथ पाटिल सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। इसके अलावा वडघर, डुंगे, कालवार, कारिवली, वडूनवघर, खारबाव, पायगांव और खर्डी गांवों के पूर्व व वर्तमान सरपंच, सदस्य और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। शिविर का आयोजन मंडल अधिकारी सुधाकर कामडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक शांताराम मोरे के हस्ते नागरिकों को विभिन्न प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। शिविर में राजस्व, कृषि, आपूर्ति विभाग, भूमि अभिलेख विभाग तथा ऑनलाइन कंवाईसी से संबंधित सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गईं। इसमें शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ-साथ जमीन से जुड़े लंबित फेरफार और टुकड़ा बंदी जैसे मामलों का निपटारा किया गया। शिविर में पंचक्रोशी के सैकड़ों नागरिकों ने भाग लेकर सरकारी सेवाओं का लाभ उठाया। इस मौके पर तहसीलदार अभिजीत खोले और मंडल अधिकारी सुधाकर कामडी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों के कामों को त्वरित रूप से पूरा करना और प्रशासन व जनता के बीच सेतु बनाना है। वहीं विधायक शांताराम मोरे ने नागरिकों से अपील की कि वे ऐसे शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, क्योंकि इससे सरकारी सेवाएं सीधे उनके द्वार तक पहुंच रही हैं और लंबित कार्यों का शीघ्र समाधान संभव हो रहा है।

महात्मा बसवेश्वर महाराज जयंती पालखी में आमदार डॉ, बालाजी किणीकर शामिल

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ पश्चिम में महात्मा बसवेश्वर महाराज जयंती के अवसर पर पालखी सोहळे का आयोजन हुआ। भक्तिमय माहौल में बड़ी संख्या में समाज बंधु शामिल हुए। आज अंबरनाथ पश्चिम के मातोश्री नगर में महात्मा बसवेश्वर महाराज जयंती के निमित्त पालखी सोहळे का आयोजन किया गया। भक्तिमय वातावरण में महाराज की पालखी निकाली गई और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस पालखी सोहळे में शिवसेना आमदार डॉ, बालाजी किणीकर सहभागी होकर महाराज के चरणों में नतमस्तक होकर दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूरा परिसर ह्यजय बसवेश्वरह्ण के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर नगरसेवक सुभाष साळुंके, आंब्रेश गवडा के साथ ही समाज के अनेक बांधव उपस्थित थे। सभी ने महात्मा बसवेश्वर महाराज को अभिवादन किया।

विप्र फाउंडेशन ने भगवान परशुराम शोभायात्रा में की शीतल पेयजल व छांछ की व्यवस्था

पालघर(उत्तरशक्ति)। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जन्मोत्सव के अवसर पर बोईसर शहर के भीमनगर से लेकर यशवंत सृष्टि तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या भक्तों ने भाग लिया। इस मौके पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा यात्रा के मार्ग में जगह-जगह भक्तों के लिए शीतल पेयजल, छांछ, सरबत व अन्य शीतल पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई। इन सेवाओं में प्रमुख योगदान विप्र फाउंडेशन बोईसर का था, जिसने यात्रा में शामिल लोगों के लिए शीतल पेयजल व छांछ की व्यवस्था की। विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने पूरी निष्ठा एवं सेवा भाव से इस कार्य को संपन्न किया। इस मौके पर विप्र फाउंडेशन के प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पाण्डेय, रामभवन त्रिपाठी, वरुण चौबे, सोनू पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, महादेव तिवारी, वरुण मिश्र समेत अन्य सदस्य भी सक्रिय रूप से मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी और इस सेवा कार्य को बेहद सफलतापूर्वक संपन्न किया।

बोईसर चा एकदंत संस्था ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा किया आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर स्थित भीमनगर में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार 19 अप्रैल 2026 को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकाली गई।

शोभायात्रा की शुरूआत शाम 6 बजे भीमनगर से हुई, जहां से यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए यशवंत सृष्टि तक पहुंची। यात्रा के दौरान भगवान परशुराम जी की आकर्षक झांकी, श्री खाटूश्याम जी की शाही सवारी, पारंपरिक ढोल-ताशा पथक, लाइव भजन संध्या एवं अन्य धार्मिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम का आकर्षण बनीं। इस शोभायात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में धर्म, सेवा व संस्कारों का प्रचार-प्रसार करना था। यात्रा में बड़े पैमाने पर धार्मिक, सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े मान्यवरों ने हिस्सा लिया। साथ ही बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं व बच्चे भी यात्रा में शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम को अपार सफलता मिली। तमाम समाजसेवी संस्थाओं ने शोभायात्रा में शामिल होने वालों के लिए शीतल पेयजल, छांछ, शरबत, चाय, बिस्किट इत्यादि का प्रबंध किया था। इसके अलावा यात्रा के समापन पर स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। इस शानदार कार्यक्रम को सफल बनाने में बोईसर चा एकदंत संस्था की पूरी टीम का अहम योगदान रहा।

तोड़े गए निर्माण का पूरा मलबा तुरंत हटाये रेलवे प्रशासन : आमदार बालाजी किणीकर

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर के बीच सुभाष टेकडी परिसर में रेलवे ट्रैक का मलबा एक साल से नहीं हटाया गया। नाला जाम होने से बारिश में बाढ़ का खतरा। ऊ्रह्ट हरेश मीना के साथ आमदार डॉ, बालाजी किणीकर द्वारा इस बैठक में जोरदार मुद्दा उठाया गया। मध्य रेलवे के विभागीय रेलवे व्यवस्थापक हरेश मीना और आमदार बालाजी के साथ उनके दालन में बैठक हुई। इस बैठक में अंबरनाथ रेलवे स्टेशन और उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के बीच आने वाले सुभाष टेकडी परिसर के मुद्दे पर चर्चा की गई। साईबाबा नगर, आम्रपाली नगर, सरदार पाडा आदि परिसर में रेलवे विभाग द्वारा नई रेलवे पटरी बिछाने का काम शुरू है। इस दौरान रेलवे ट्रैक के पास की संरक्षण दीवार तोड़ दी गई थी और कुछ निवासी घरों को भी हटाए गए थे।संरक्षण दीवार तोड़े एक साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन उसका मलबा अब तक नहीं उठाया गया। यह मलबा नाले में जा रहा है। नाला जाम होने से गंदे पानी का निकास नहीं हो रहा। बारिश में पानी जमा होने से पूरे इलाके में बाढ़ की स्थिति बन जाती है।बैठक में मांग की गई कि तोड़े गए निर्माण का पूरा मलबा तुरंत हटाया जाए और संरक्षण दीवार का पुनर्निर्माण किया जाए ताकि नाला जाम न हो और बारिश में जलभराव से बचा जा सके।

उबर ऐप के जरिए कार बुक कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर क्षेत्र में ऑनलाइन कैब बुकिंग के जरिए कार चोरी करने वाले आरोपी को पेल्हार पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 16 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता चंद्रदेव आजाददेव पांडे (उम्र 54 वर्ष), जो पेशे से ड्राइवर हैं और वडाला पूर्व, मुंबई के निवासी हैं, भायंदर क्षेत्र में कार्यरत थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उबर ऐप के माध्यम से उनकी मारुति स्विफ्ट डिजायर (टव्र-02-ऋ-7639) बुक की और नालासोपारा जाने की बात कही। दोपहर करीब 3:00 बजे सोपारा फाटा पहुंचने पर आरोपी ने ड्राइवर से 200 रुपये लेकर पानी की बोतल लाने को कहा। शिकायतकर्ता अपना मोबाइल फोन कार में छोड़कर पानी लेने होटल में चले गए। इसी बीच आरोपी कार और मोबाइल लेकर फरार हो गया। इस मामले में शिकायत के आधार पर पेल्हार पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद अपराध जांच टीम ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और उबर कंपनी से संपर्क कर तकनीकी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान आरोपी को मुंबई के बोरीवली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान श्यामनाथ संतराम यादव (उम्र 25 वर्ष, निवासी उमरोली ईस्ट, जिला पालघर) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई स्विफ्ट डिजायर कार और वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3,55,000 रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे (जोन-3, विरार) तथा सहायक पुलिस आयुक्त बजरंग देसाई के मार्गदर्शन में पेल्हार पुलिस की टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई।

जिम ट्रेनर मोंटी बाबा बनकर लगाने लगा दरबार, जिंदा मुर्गा, शराब, सिगरेट का चढ़ावा, अब भक्तों की शिकायत पर अरेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में एक और ढोंगी बाबा का पदार्फाश हुआ है। मुंबई पुलिस ने जिम ट्रेनर से तांत्रिक बने रिदम पंचाल उर्फ मोंटी बाबा को पकड़ा है। आरोप हैं कि इस ढोंगी मोंटी बाबा ने करीब 60 महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया। दिंडोशी पुलिस ने महिलाओं के शोषण और अघोरी पूजा करने पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह श्रद्धा और विश्वास के नाम पर अंधश्रद्धा का घिनौना काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार यह कुछ समय पहले तक एक सामान्य जिम ट्रेनर था। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि इस ढोंगी बाबा के चंगुल में पढ़े-लिखे लोग भी थे।

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि यह मोंटी बाबा सूर्यास्त के बाद एक्टिव होता था। वह रात आठ बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक अपना दरबार लगाता था। वह उन महिलाओं को निशाना बनाता था, जिन्हें संतान की प्राप्ति में बाधा आ रही होती थी। वह उपचार के बहाने बकरे का कलेजा, जिंदा मुर्गी, महंगी शराब और सिगरेट जैसी चीजों की मांग करता था। पुलिस के अनुसार मोंटी बाबा भक्तों के सामने सिगरेट का धुआं पीकर छोड़ता था। इस दौरान वह दावा करता था कि उनके शरीर से भूत उतार रहा है। जबकि इसी की आड़ में वह महिलाओं के साथ अश्लील कृत्य को अंजाम देता था। दिंडोशी पुलिस ने बीजेपी नेता एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा के हस्तक्षेप के बाद इस ढोंगी बाबा को जब अरेस्ट किया तो उसकी पोल खुल गई।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि रिदम पंचाल उर्फ मोंटी बाबा मलाड के एक खाली प्लॉट से अपना काम चलाता था और हर गुरुवार और शनिवार को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक 'दरबार' लगाता था। उसने दावा किया कि उस पर एक देवी का साया है और उसने दर्जनों महिलाओं को बच्चे पैदा करने में मदद करने के बहाने अपने जाल में फंसाया। इस पूरे मामले में जिस बात ने लोगों का ध्यान खींचा। वह थी मोंटी बाबा के तौर-तरीके। वह भूतों को भगाने के लिए मुंह में जलती हुई सिगरेट रखकर 'अघोरी' अनुष्ठान करता था। महंगी शराब, सिगरेट और जानवरों के कलेजे की उसकी मांगों ने कुछ भक्तों और स्थानीय लोगों के मन में शक पैदा कर दिया। जब उसके कुछ अनुयायियों ने उसके रीति-रिवाजों पर सवाल उठाना शुरू किया या पैसे और सामान की उसकी मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे, तो उसने कथित तौर पर उनके घरों पर गुंडों को भेजा ताकि उन्हें धमकाया गया। इस वजह से पीड़ितों को बाहर से मदद लेनी पड़ी, लेकिन बीजेपी नेता एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा का सहयोग मिलने के बाद लोगों ने बाबा का भंडाफोड़ कर दिया।

मुंबई के डोंगरी में मौलाना और उनके दो बेटों को भीड़ ने बेरहमी से पीटा, हमला करने वाले भी हैं मुस्लिम

मुंबई। डोंगरी इलाके में मौलाना खालिद अशरफ और उनके दो बेटों को पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उनपर लाठियों, डंडों और कुर्सियों से हमला किया गया। अब इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, इस झगड़े की शुरूआत एक सड़क दुर्घटना से हुई। जहां पाला गली में एक स्थानीय लड़के ने मौलाना के बेटे मोइज के स्कूटर को टक्कर मार दी थी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। बाद में मोइज ने अपने पिता को फोन कर बताया कि लड़का और उसके पिता उसे गालियां दे रहे है। मौलाना अशरफ ने अपने बेटे को घर लौटने की सलाह दी और उन्हें लगा कि मामला वहीं खत्म हो गया है।

हालांकि, उसी शाम जब मौलाना अशरफ अपने दो बेटों के साथ मोहम्मद अली रोड स्थित जकारिया मस्जिद में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे तो आरोपियों ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद करीब 15 लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और उन पर हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मोहम्मद जीना पारेज खान (24), साहिल मंजिल मस्जिद खान (18) और माजिद खालिद खान (45) के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। वहीं, नाबालिग आरोपी के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

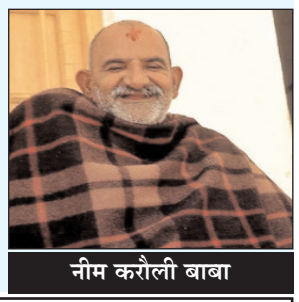

घटना के बाद कई समुदायिक नेताओं ने डोंगरी पुलिस स्टेशन का दौरा कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्थानीय विधायक अमीन पटेल ने इस हमले को निंदनीय और शर्मनाक बताया और पीड़ितों के इलाज के लिए जेजे अस्पताल में व्यवस्था कराई। वहीं मौलाना अशरफ ने अपने अनुयायियों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि वे न्याय चाहते हैं और कानून पर भरोसा रखते हैं।

नीम करौली बाबा

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राजबहादुर यादव के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा देने की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम संदहां निवासी स्वर्गीय राजबहादुर यादव की तीन दिन पूर्व बिजली करंट लगने से हुई दर्दनाक मौत के बाद शोक की लहर है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल मुआवजे के रूप में प्रदान की जाए, जिससे परिवार को इस कठिन समय में सहारा मिल सके।

मोहम्मद अरशद खान ने इस घटना को विद्युत विभाग की लापरवाही का परिणाम बताते हुए कहा कि जौनपुर सदर विधानसभा के सभी गांवों का तत्काल सर्वे कराया जाए। जहां-जहां बिजली के तार जर्जर एवं खतरनाक स्थिति में हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बदलकर नए तार लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होंने यह भी बताया कि मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मझली पट्टी (मुस्लिम बस्ती) में अब तक समुचित विद्युतीकरण नहीं हो सका है। इस संबंध में पूर्व में जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया जा चुका है तथा सर्वे कार्य भी पूर्ण हो चुका है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि वहां शीघ्र विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि जनहित के मुद्दों पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

नशीले कफ सिरप के अवैध करोबारी अंकित श्रीवास्तव की जमानत याचिका हुई खारिज

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी समेत कई राज्यों में सुर्खियां बटोरने वाले बहुचर्चित

जालसाजी करने में बेहद शातिर है अंकित श्रीवास्तव

जौनपुर। कोडिंन कफ सिरप का प्रयोग नशे के रूप में करने वाला मुख्य अभियुक्त अंकित श्रीवास्तव बेहद ही शातिर जालसाज है। वह वर्तमान में जेल में निरुद्ध है। दस्तावेज के अनुसार, उसकी ओर से न्यायालय में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। पुलिस और प्रशासन इस पूरे नेटवर्क के अन्य कड़ियों की तलाश में जुटे हैं। अपर सत्र न्यायाधीश ने मामले की गंभीरता और तस्करी के नेटवर्क को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका को निरस्त कर दिया है।

प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप (नशीली दवा) के मुख्य कारोबारी अंकित श्रीवास्तव की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। अपर सत्र न्यायाधीश पशुपति नाथ मिश्र की अदालत में इस बहुचर्चित मामले में सुनवाई हो रही थी। खचाखच भरी अदालत में आरोपी की तरफ से उसके अधिवक्ता ने बचाव पक्ष के रूप में कई तर्क दिए लेकिन

जांच में हुए बड़े खुलासे

जौनपुर। जांच के दौरान करीब 42.50 करोड़ रुपये मूल्य की 18.28 लाख बोतलों के अवैध रिकॉर्ड का खुलासा हुआ है।

अभियुक्तों पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी ई-वे बिल के माध्यम से कफ सिरप को झारखंड से जौनपुर आना दिखाया, जबकि भौतिक रूप से यह खेप कभी जौनपुर पहुंची ही नहीं। बरामद कफ सिरप के बैच नंबरों का मिलान त्रिपुरा में पकड़ी गई नशीली दवाओं की खेप से हुआ है, जिससे इसके अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क में शामिल होने की पुष्टि होती है।

अपराध की गंभीरता और समाज में फैलने वाले गलत संदेश को देखते हुए अपर सत्र न्यायाधीश ने जमानत देने से साफ इनकार कर दिया।

बताते चलें कि यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत दर्ज एफआईआर संख्या 354/2025 से संबंधित है।

अपर सत्र कोर्ट ने माना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है यह कारोबार

इस बहुचर्चित मामले में पुलिस की स्पेशल जांच टीम ने छानबीन के दौरान यह पाया कि करोड़ों रुपए के इस घोटाले में बहुत बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया है। चार लाख, 60 हजार यूनिट कफ सिरप की खरीद-बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेजों और रबर स्टैंप का सहारा लिया गया।

जौनपुर के जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय की जांच में पाया गया कि मेसर्स शैली ट्रेडर्स ने रांची से भारी मात्रा में 'न्यू फेन्सिडिल' कफ सिरप मंगवाया गया था। जिसका प्रयोग नशे के रूप में बिक्री किया गया। आरोप यह भी है कि इस सिरप का उपयोग औषधीय कारणों के बजाय अवैध रूप

अदालत ने किया सख्त टिप्पणी

जौनपुर। जिले के इस बहुचर्चित मामले में सुनवाई के दौरान अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट नंबर 02) की अदालत ने पाया कि यह अपराध केवल व्यावसायिक अनियमितता नहीं, बल्कि समाज में नशे को बढ़ावा देने वाला एक गंभीर संगठित अपराध है। न्यायाधीश ने यह भी संज्ञान में लिया कि आरोपी की पूर्व में उच्च न्यायालय से भी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए जनपद के अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट नंबर-2) पशुपति नाथ मिश्रा की अदालत ने नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामले में अभियुक्त की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

से नशे के रूप में बेचने के लिए किया गया।

इस बहुचर्चित मामले में अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और एनडीपीएस एक्ट की

शिवम के मामले में भी हुई सुनवाई

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट नंबर 02) की अदालत में शिवम कुमार मौर्य की अग्रिम जमानत याचिका (संख्या-08/2026) पर सुनवाई हुई। यह मामला कोतवाली थाने में दर्ज ड्रग्स और धोखाधड़ी से संबंधित आरोपों (मुकदमा अपराध संख्या- 357/2025) से जुड़ा है। एफआईआर औषधि निरीक्षक रजत कुमार द्वारा दर्ज कराई गई थी। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) और एनडीपीएस (एनडीपीएस) एक्ट की धारा 21(ग), 27(क)/29 के तहत मामला दर्ज है। अदालत ने एनडीपीएस (एनडीपीएस) एक्ट की गंभीर धाराओं 21(ग), 27(क) / 29 के तहत दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

विभिन्न गंभीर धाराओं (जैसे धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) और एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21(ग), 27क व 29) के तहत मामला दर्ज है।

प्रधानों को प्रशासक बनाये जाने की मांग को लेकर प्रधान संघ ने सौंपा ज्ञापन

◆ 26 मई को समाप्त हो रहा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल

खेतासराय (उत्तरशक्ति)। शाहगंज सोंधी ब्लाक मुख्यालय पर मंगलवार को प्रधान संघ के ब्लाक उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने समय से देखते हुए समय पर चुनाव कराए जाने को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में पंचायतों के कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। प्रधानों का कहना है कि ग्राम पंचायत ग्रामीण प्रशासन की महत्वपूर्ण इकाई है। यदि समय पर चुनाव नहीं होते हैं और कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती है, तो विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो सकते हैं। इससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी बाधा उत्पन्न होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव में विलंब होने पर ग्राम स्तर पर प्रशासनिक शून्यता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस समस्या के समाधान के लिए मांग की गई है कि या तो समय से चुनाव कराए जाएं अथवा वर्तमान प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया जाए। साथ ही अन्य राज्यों की भांति कार्यकाल बढ़ाने की मांग भी उठाई गई है।

इस दौरान उपाध्यक्ष परमानंद यादव,संतोष कुमार, ज्ञानचन्द्र, प्रधान प्रतिनिधि सेराज अहमद,अयाज अहमद,भीम चन्द्र इस्राइल अहमद, गीता देवी, कमलावती देवी, श्यामा, अनीता, चंद्रेश राजभर, मोनिका, उम्मेकुल निशा सहित अन्य ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण शामिल रहे।

प्रधानी चुनाव कराने की माँग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगामी 26 मई को समाप्त हो रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को

ट्रेलर और ट्रक की टक्कर में दो की मौत, एक गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र स्थित सरोखनपुर के पास एनएच-731 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद हाईवे पर अफरा- तफरी मच गई और लगभग तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल भिजवाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। मृतकों में एक की पहचान रामकरण गुर्जर निवासी जयपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। वहीं घायल इंद्र कुमार, जो ट्रक चालक है और सुल्तानपुर जिले के जगदीशपुर का निवासी है, का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तहसीलदार समेत दस के खिलाफ केस दायर, पीड़ित की जमीन पर जबरन रोड बनाने का आरोप

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने शशि भूषण शुक्ला निवासी सुजानगंज के शिकायत पर मछली शहर के तहसीलदार कानूनगो लेखपाल ग्राम विकास अधिकारी समेत दस पर वाद दर्ज करते हुए थाना प्रभारी मछलीशहर से रिपोर्ट तलब किया है। अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। वादी ने आरोपितों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया दिया था।आबादी में आरोपित जबरदस्ती सीसी रोड बनवा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा गलत आख्या के संबंध में तहसील मछलीशहर कई बार गया। दिनांक 5 अप्रैल 2026 को तहसीलदार के कार्यालय गया तो वहां अन्य आरोपित मौजूद थे। तहसीलदार के ललकारने पर सभी ने वादी के साथ गाली गलौज व मारपीट किया।शिकायत एसडीएम से करने पर उन्होंने भी गिरफ्तार करवा देने की धमकी दी। थाना मछलीशहर,पुलिस अधीक्षक ने भी कोई सुनवाई नहीं की।तब कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई।

मंडी नसीब खां से मोहल्ला सिपाह तक खुले नाले पर छत निर्माण की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मंडी नसीब खां क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जनसमस्या को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी जौनपुर को पत्र भेजकर शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने बताया कि मंडी नसीब खां में संदीप यादव पुत्र राजेश्वर यादव के घर तक नाले पर पूर्व में उनके विधायक कार्यकाल के दौरान छत का निर्माण कराया जा चुका है, लेकिन इसके आगे मोहल्ला सिपाह तक नाला आज भी खुला हुआ है। इससे क्षेत्र की जनता पिछले करीब 32 वर्षों से परेशान है। मोहम्मद अरशद खान

ने कहा कि खुले नाले से गंदगी व दुर्गंध फैल रही है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। साथ ही, दुर्घटनाओं की आशंका और आवागमन में बाधा के कारण आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि संदीप यादव के घर से लेकर मोहल्ला सिपाह तक नाले पर जल्द से जल्द छत डलवाई जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से बालक की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मड़वा मोहिउद्दीनपुर गांव में सोमवार की दोपहर मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की खबर लगते ही परिवार में मातम पसर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए ट्रैक्टर को कब्जे में लिया, जबकि चालक मौके से फरार होने में सफल हो गया। उक्त गांव निवासी अंश प्रजापति उर्फ दुर्गेश पुत्र पवन गांव के ही एक विद्यालय में कक्षा एक का छात्र था। सोमवार दोपहर स्कूल से घर लौटा तो कुछ सामान लेने के लिए घर से कुछ दूरी पर गया था, जहां से लौटते समय अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बालक को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद ग्रामीणों उसे आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना के समय परिवार के लोग रिश्तेदार के घर आयोजित बरक्षा समारोह में शामिल होने गए थे। मनहूस खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजन अस्पताल पहुंचे। फिलहाल पुलिस चालक की तलाश में जुटी रही।

जानू शहीद बाबा उर्स मुबारक पर मेला, महफि ल-ए-कव्वाली व लंगर-ए-आम का शानदार इंतजाम

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज बाजार के करियांव इलाके में हजरत जानू शहीद बाबा के उर्स मुबारक के मौके पर जामिया कमेटी की जानिब से मेला, महफि ल-ए-कव्वाली और लंगर-ए-आम का शानदार इंतजाम किया गया। इस मुबारक मौके पर दूर-दराज से बड़ी तादाद में अकीदतमंद और जायरीन शरीक हुए और दरगाह पर हाज़िरी देकर दुआएं मांगीं। महफि ल-ए-कव्वाली में सूफियाना कलाम पेश किए गए, जिससे पूरा माहौल रूहानी हो गया। ह्लया हजरतह्व और ह्लमौलाह्व की सदाओं से फिजा गूंज उठी और लोग देर रात तक महफि ल का लुत्फ उठाते रहे। लंगर-ए-आम का भी बेहतरीन इंतजाम किया गया, जहां सैकड़ों अकीदतमंदों ने तबर्रुक हासिल किया। पूरे कार्यक्रम में अमन-ओ-भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम नजर आया। इस मुकद्दस कार्यक्रम को कामयाबी के साथ मुकम्मल कराने में जाकिर, अबू हसन, जावेद, शमीम शाह, शकील अहमद, अतीक, नदीम व अब्दुल हादी समेत तमाम अरकान-ए-कमेटी की खास मेहनत रही। सभी सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम को शानदार और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। इलाके के लोगों ने इस शानदार इंतजाम की सराहना करते हुए इसे आपसी इत्तेहाद, भाईचारे और दीनी जज्बे की बेहतरीन मिसाल बताया।

क्रिकेटर रिंकू सिंह पहुंचे ससुराल, हुआ भव्य स्वागत

पिंडरा,वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह सोमवार की रात करीब साढ़े 8 बजे करखियाव (कठेरवा) स्थित अपने ससुराल पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन की जानकारी बेहद गोपनीय रखी गई थी, जिसके चलते प्रशंसकों को इसकी भनक तक नहीं लग सकी।

ससुराल पहुंचने पर उनके ससुर, केराकत विधायक एवं पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने परिजनों के साथ फूल-मालाओं और बुके देकर उनका स्वागत किया। रिंकू सिंह अपनी पत्नी सांसद प्रिया सरोज के साथ इंडिगो एयरलाइंस से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां से वे सीधे करखियाव के लिए रवाना हुए।

इस दौरान उनके साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर अनुकूल राय भी मौजूद रहे। ससुराल में कुछ देर विश्राम और रात्रि भोजन करने के बाद रिंकू सिंह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए रवाना हो गए।

सूत्रों के अनुसार, वे रात्रि विश्राम वाराणसी के एक फाइव स्टार होटल में करेंगे। देर रात करीब साढ़े 10 बजे करखियाव से शहर के लिए रवाना हुए। काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद मंगलवार सुबह अयोध्या के लिए प्रस्थान करने की योजना है।

गौरतलब है कि पूरी यात्रा को निजी और गोपनीय रखा गया, जिससे स्थानीय प्रशंसकों को उनके आगमन की जानकारी नहीं मिल सकी।

सम सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर पूर्वांचल विश्वविद्यालय सख्त, कॉलेजों को कई निर्देश

अंक अपलोड न करने, केंद्राध्यक्ष नियुक्त न करने व सीसीटीवी मॉनिटरिंग से न जुड़ने पर कार्रवाई की चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षाओं के संचालन को लेकर संबद्ध महाविद्यालयों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने जहां आंतरिक व प्रायोगिक अंक समय से अपलोड करने के लिए कॉलेजों को अंतिम चेतावनी दी है, वहीं परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष नियुक्त करने, सीसीटीवी मॉनिटरिंग सेल से जुड़ने और परीक्षार्थियों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को विश्वविद्यालय के सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के साथ परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव केशलाल, प्रो. मनोज मिश्र ने महाविद्यालय में चल रही परीक्षाओं का ऑनलाइन निरीक्षण किया।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जौनपुर जनपद के केडीएस महाविद्यालय और श्रद्धा शंकर महिला महाविद्यालय में चल रही परीक्षाओं का भौतिक निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक ने सभी केंद्राध्यक्षों और प्राचार्यों को कार्यालय ज्ञाप जारी कर सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त पेयजल और निर्बाध

भीषण गर्मी में परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, बिजली व पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने इसके लिए आदेश दिए है। इस निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त रोशनी और पंखों की उचित व्यवस्था रहनी चाहिए। विश्वविद्यालय ने बीएससी (एग्रीकल्चर), एमएससी (एग्रीकल्चर), बीएड, एमएड और बीपीएड पाठ्यक्रमों के आंतरिक और प्रायोगिक अंक पोर्टल पर अपलोड न करने वाले महाविद्यालयों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। विश्वविद्यालय के अनुसार, कई कॉलेजों द्वारा अंक देरी से भेजने के कारण रिजल्ट घोषित करने में विलंब हो रहा है। परीक्षा नियंत्रक ने इसे लेकर 'कठोर चेतावनी' जारी करते हुए सभी संबंधित कॉलेजों को निर्देशित किया है कि वे 23 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से अंक पोर्टल पर अपलोड कर दें।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुचिता और निगरानी को लेकर प्रशासन सख्त है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिन महाविद्यालयों ने अभी तक अपने परीक्षा केंद्रों को विश्वविद्यालय के सीसीटीवी मॉनिटरिंग सेल से नहीं जोड़ा है और केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति नहीं की है, उन्हें 23 अप्रैल 2026 तक का अंतिम मौका दिया गया है।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई कॉलेज सीसीटीवी निगरानी से नहीं जुड़ता है या किसी अन्य माध्यम से शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित केंद्र के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, युवक की मौत, जीजा गंभीर

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्तीगंज क्षेत्र के रामपुर ग्राम सभा स्थित पित्तुपुर गांव में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब बारात से लौट रहे एक युवक की बाइक दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में युवक का जीजा भी गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पित्तुपुर निवासी मिठाई लाल गुप्त का 32 वर्षीय पुत्र जितेंद्र उर्फ कल्लू गुप्त अपने चाचा के लड़के विनोद गुप्त की बारात में दुधौड़ा गांव गया था। रविवार की रात करीब 12 बजे वह अपने जीजा संजय गुप्त (निवासी बरसठी) के साथ बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वे गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के खलसहा मोड़ के पास पहुंचे, बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे कटे हुए पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जितेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संजय गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल संजय को जिला अस्पताल से वाराणसी ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां हालत नाजुक होने पर उन्हें पीजीआई के लिए रेफर कर दिया गया है।

इस हृदय विदारक घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। मृतक जितेंद्र पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसके सिर से साया उठने के बाद तीन मासूम बच्चों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। तीन वर्षीय सार्थक और दो वर्षीय खुशबू को तो यह भी नहीं पता कि उनके पिता अब कभी नहीं लौटेंगे। सबसे ज्यादा मर्मस्पर्शी स्थिति उस 21 दिन के दुधमुंहे बच्चे की है, जिसका अभी नामकरण तक नहीं हुआ था और पिता का साया हमेशा के लिए सिर से उठ गया। पत्नी सोनी और वृद्ध माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में बारात की विदाई और खुशियों का माहौल था, वहां अब सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है। पिता मिठाई लाल गुप्त को बुढ़ापे की लाठी बनने वाले जवान बेटे की अर्थी को कांधा देना पड़ा, जिसे देख पूरे गांव का कलेजा फट गया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर की दी गई सलामी, पुत्र आशु सिंह ने दी मुखाग्नि

◆ राहुल-प्रियंका-खड़गे-अजय राय ने जताया शोक

मुंगराबादशाहपुर जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना' (81) का सोमवार को प्रयागराज में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

मंगलवार को पैतृक आवास मुंगराबादशाहपुर के रामनगर में राजकीय सम्मान व गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उन्हें अंतिम बिदाई दी गई। पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा मुंगराबादशाहपुर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए प्रयागराज के रसूलाबाद घाट के लिए रवाना हुई। शव यात्रा में हजारों लोग शामिल रहे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा लपेटकर श्रद्धांजलि दी। वहीं प्रशासन की ओर से तिरंगे में लपेटकर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रसूलाबाद घाट पर नम आंखों से उनके पुत्र अभिषेक उर्फ आशु सिंह ने मुखाग्नि दी। अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना' का राजनीतिक जीवन 1969 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति से शुरू हुआ। उसी वर्ष वे छात्र नेता चुने गए। 1971 में इलाहाबाद के अध्यक्ष, 1973 में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने। 1974 में एमएलसी, 1977 में मछलीशहर से विधायक निर्वाचित हुए। 1980 से 1990 तक लगातार विधायक रहे और सहकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री बनाए गए। 1991 में रारी विधानसभा से भी विधायक चुने गए। 2003 से 2005 तक उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष रहे।1996 में जौनपुर सदर और 1998 में मछलीशहर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। अंतिम विदाई के दौरान पूरा रामनगर गमगीन दिखा। लोगों ने कहा, 'उनकी सरलता, विकास कार्यों और राजनीतिक सूझबूझ का कोई सानी नहीं था। अब ऐसा नेता न पैदा हुआ है न होगा।' हर व्यक्ति की आंखें भरी हुई नजर आईं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना के निधन पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व विधायक नदीम जावेद समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। शोक संदेश में नेताओं ने कहा कि अरूण कुमार सिंह 'मुन्ना' का जाना कांग्रेस परिवार और पूर्वांचल की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र सिंह सोमवार रात्रि में ही रामनगर पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी थी। पूर्व मंत्री के निधन पर सांसद सीमा द्विवेदी, पूर्व आईजी बद्री सिंह, पूर्व मंत्री सुभाष पांडेय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव,ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र सिंह फंटू पूर्व मल्हनी प्रत्याशी मनोज सिंह, अजय शंकर दूबे, राजीव प्रताप सिंह, गुड्डन सिंह, चेयरमैन कपिल मुनि उमरवैश्य, आलोक गुप्ता पिंटू, इंजीनियर उमाशंकर गुप्ता, अनुपम सिंह, रिषिकेश सिंह,नीशू केशरी,रेखा सिंह, पंकज मिश्रा, नागेंद्र मोदनवाल, धनश्याम मिश्रा, शुभम सिंह, चंद्र शेखर शुक्ला, जय प्रकाश तिवारी ने शोक व्यक्त किया है।

शिवाला घाट पर बड़ा हादसा टला: गहरे पानी में फंसे 15 तीर्थयात्री, लोगों की सूझबूझ से सभी सुरक्षित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित शिवाला घाट पर रविवार को गंगा स्नान के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दक्षिण भारत से काशी भ्रमण पर आए श्रद्धालुओं का एक समूह स्नान कर रहा था, तभी अचानक करीब 15 लोग गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद नाविकों की तत्परता और बहादुरी से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक श्रद्धालु के फिसलने से बिगड़ी स्थिति: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्नान के दौरान एक श्रद्धालु का पैर फिसल गया, जिससे वह संतुलन खोकर गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख आसपास मौजूद अन्य लोग भी घबरा गए और कुछ ही पलों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई।

नाविकों ने दिखाई बहादुरी, गंगा में लगाई छलांग: इसी दौरान पास से गुजर रही नाव पर सवार स्थानीय नाविकों ने तुरंत स्थिति को भांप लिया। बिना देर किए उन्होंने गंगा में छलांग लगाई और एक-एक कर सभी श्रद्धालुओं को बाहर निकालना शुरू किया। अपनी जान जोखिम में डालकर नाविकों ने सभी 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

घाट पर मचा रहा कुछ देर तक हड़कंप घटना के बाद कुछ समय तक शिवाला घाट पर दहशत और तनाव का माहौल बना रहा। हालांकि सभी श्रद्धालुओं के सुरक्षित बाहर आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने नाविकों की बहादुरी और मानवीय संवेदना की जमकर सराहना की।

बार-बार सामने आ रहीं ऐसी घटनाएं: गंगा में स्नान के दौरान पैर फिसलने या गहरे पानी में जाने से डूबने की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। प्रशासन द्वारा लगातार श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और सुरक्षित दायरे में ही स्नान करने की अपील की जाती है, लेकिन लापरवाही के कारण इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं।

प्रशासन ने की है अपील सावधानी ही सुरक्षा फिलहाल इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है और सभी श्रद्धालु सुरक्षित हैं। प्रशासन ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि गंगा में स्नान करते समय सतर्क रहें और निर्धारित सुरक्षित क्षेत्रों का ही उपयोग करें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

ऑपरेशन दहन: जौनपुर पुलिस ने 364 किलो से अधिक मादक पदार्थ किए नष्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन दहन अभियान के तहत जौनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न मामलों में जब्त भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का विनष्टीकरण किया। पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के नेतृत्व एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। जनपद के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 52(2) के अंतर्गत दर्ज कुल 35 अभियोगों से संबंधित मादक पदार्थों को माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में नष्ट कराया गया। यह विनष्टीकरण थाना मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के सतहरिया स्थित मैसर्स आर.एस. बी.एम. डब्ल्यू. सर्विसेज के इंसिनरेटर के माध्यम से किया गया।

पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 362 किलोग्राम 91 ग्राम गांजा तथा 1 किलोग्राम 661 ग्राम नशीला पाउडर शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है और आगे भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाती रहेगी।

गैस सप्लाई ठप, उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब, एजेंसियों पर हंगामे के हालात

महिलाओं को बार-बार काटने पड़ रहे चक्कर, कई जगह बहस और हंगामे की स्थिति

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर में घरेलू गैस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात यह हैं कि उपभोक्ताओं को बुकिंग कराने के एक से दो सप्ताह बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और गैस एजेंसियों पर आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है। सुबह होते ही नगर की दोनों गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग जाती हैं। घंटों इंतजार के बाद भी अधिकांश लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। कई बार उपभोक्ताओं और एजेंसी कर्मचारियों के बीच तीखी बहस हो जाती है, जो कुछ मामलों में हाथापाई तक पहुंच जाती है। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को हस्तक्षेप कर भीड़ को नियंत्रित करना पड़ता है। स्थानीय उपभोक्ता शोएब अहमद ने बताया कि उन्होंने एक सप्ताह पहले गैस की बुकिंग कराई थी, लेकिन अभी तक सिलेंडर नहीं मिला। इससे घर में खाना बनाने में भारी दिक्कत हो रही है। वहीं, बड़े गांव से आई सावित्री देवी ने बताया कि उन्हें बुकिंग कराए करीब 15 दिन हो चुके हैं, लेकिन एजेंसी से हर बार यही जवाब मिलता है कि गैस उपलब्ध नहीं है। ऐसे सैकड़ों उपभोक्ता हैं जो समय पर बुकिंग कराने के बावजूद गैस नहीं पा रहे हैं। नगर की दोनों एजेंसियों पर कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो उनका आंदोलन और तेज हो सकता है। वहीं, प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है, जिससे लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

हिमालया बेबीकेयर ने लॉन्च की नई डीवीसी

पटना। हिमालय बेबीकेयर ने हिमालया बेबी मसाज ऑयल के लिए नया डिजिटल वीडियो विज्ञापन जारी किया है, जो शिशुओं के रोजमर्रा के पलों और उनके विकास की यात्रा को दर्शाता है। यह फिल्म शिशुओं के जीवन को एक अनोखे और मनमोहक दृष्टिकोण से दिखाती है, जिसमें उनके दैनिक प्रयासों और विकास की प्रक्रिया को उजागर किया गया है। साथ ही, यह दैनिक मालिश की परंपरा को शिशु की ताकत, विकास और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताती है। इस अभियान में अश्वगंधा और बला जैसे प्राकृतिक अवयवों की भूमिका को रेखांकित किया गया है, जो शिशु के स्वस्थ विकास में सहायक माने जाते हैं। हिमालया वेलनेस कंपनी के अनुसार, शिशु मालिश न केवल शारीरिक मजबूती देती है, बल्कि माता-पिता और शिशु के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत बनाती है।

छात्रों को मिला एआई और डेटा साइंस का व्यावहारिक ज्ञान

एआई मेड ईजी कार्यशाला हुई संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आईईईई छात्र शाखा द्वारा आयोजित एआई मेड ईजी कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं डाटा साइंस विषय पर द्वितीय सत्र का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को एआई के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम तकनीकी विकास एवं उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति की प्रेरणा तथा राजभवन के निदेर्शों के अनुरूप चलाए जा रहे एआई जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में अलायंड ऑटोमेशन, पुणे में डेटा साइंटिस्ट के पद पर कार्यरत पी. राहुल राव ने छात्रों को एआई और डाटा साइंस के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एआई के विविध इंडस्ट्री अनुप्रयोगों, उभरते रोजगार अवसरों तथा प्रोफेशनल करियर के लिए आवश्यक कौशलों पर प्रकाश डाला। साथ ही यह भी बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच छात्रों को स्वयं को कैसे तैयार करना चाहिए। कार्यशाला का संचालन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं संगणक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आईईईई छात्र शाखा के परामर्शदाता डॉ. दिव्येंदु मिश्र ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस श्रृंखला के माध्यम से छात्रों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के संकाय समन्वयक डॉ. दिलीप यादव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर आईईईई छात्र शाखा के सदस्य आदित्य, वैभव, अनुराग पाल, निहार, इप्शिता, सृजन, शिवांश, सागर, आंचल, अदिति, अर्चना, शिवांगी, विजय मल, अमन, मयंक, विवेक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इप्सिता द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आईईईई छात्र शाखा की उपाध्यक्ष अदिति श्रीवास्तव ने किया।

अभियोजन वीसी साक्षी कक्ष का डीएम ने फीता काटकर किया उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा अभियोजन वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) साक्षी कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने शिलापट्ट का अनावरण कर कक्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से न्यायिक कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। वीसी साक्षी कक्ष के माध्यम से अब साक्षियों की उपस्थिति सुनिश्चित करना आसान होगा, जिससे समय की बचत के साथ-साथ न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि इस सुविधा से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले साक्षियों को अनावश्यक आवागमन से राहत मिलेगी तथा उनकी सुरक्षा एवं सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा सकेगा। यह पहल न्यायिक प्रणाली में तकनीकी सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, संबंधित विभाग के अधिकारीगण, अभियोजन विभाग के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राह्मण कल्याण संघ ट्रस्ट द्वारा समारोह का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली पूर्व स्थित हनुमान नगर के श्री शिव शंकर धाम महादेव मंदिर के सभागृह में ब्राह्मण कल्याण संघ ट्रस्ट द्वारा अक्षय तृतीया व भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्य दिवस पर भव्य भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक अतुल भातखलकर, पूर्व विधायक उद्योगपति ठाकुर रमेश सिंह, हनुमान नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवक एवं विश्व ब्राह्मण समाज के युवा अध्यक्ष डा. अमर डी. मिश्रा, नगरसेविका डा. श्रीमती अजंता राजपति यादव, पूर्व नगरसेवक ठाकुर सागर सिंह, पूर्व नगरसेवक एकनाथ (शंकर) हुंकारे व शिवसेना उबाठा के कांदिवली उप विभाग प्रमुख प्रशांत कोकणे के अलावा ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोगों ने उपस्थित होकर भजन कीर्तन के आनंद के साथ साथ प्रसाद का ग्रहण किया। अतिथियों का स्वागत अमर डी मिश्रा और हृदय नाथ उपाध्याय ने किया।

ऑटो, बाइक की आमने सामने की हुई टक्कर, तीन घायल

-जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत-देवगांव मार्ग के अकबरपुर गांव के पास एक ऑटो और बाइक की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार तीन लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, आदित्य श्रीवास्तव (29 वर्ष, निवासी नेवादा जलालपुर) अपने साथी इंद्रजीत कुमार (26 वर्ष) के साथ देवगांव से घर लौट रहे थे। अकबरपुर गांव के समीप पहुंचते ही केराकत से देवगांव जा रहे एक तेज रफ्तार ऑटो ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क किनारे जा गिरे और बेहोश हो गए।टक्कर के बाद ऑटो चालक मौके से भागने लगा। इसी दौरान अकबरपुर निवासी आकाश (पुत्र नाथू) ने भाग रहे ऑटो का पीछा कर उसे रोकने का प्रयास किया। ऑटो चालक ने आकाश को भी टक्कर मार दी और अपने घर रामपुर भौंरा पहुंचकर ऑटो छोड़कर फरार हो गया। रास्ते से गुजर रहे सरकी चौकी प्रभारी राकेश सोनकर ने तत्काल घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही सिपाही आशीष कुमार रामपुर भौंरा पहुंचे और फरार ऑटो चालक के घर से ऑटो को कब्जे में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्पेशलिस्ट डॉक्टर की मांग को लेकर कोन में जन आंदोलन तेज

कोन, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत निगाई में कोन स्थित सरकारी अस्पताल में महिला एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति की मांग को लेकर जन आंदोलन तेज हो गया है। यह अभियान राष्ट्रीय नव निर्माण सेना ट्रस्ट के बैनर तले चलाया जा रहा है, जिसका नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु कर रहे हैं। आनन्द पटेल दयालु ने कहा कि जब तक अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने इसे क्षेत्र की जनता के अधिकार और सम्मान से जुड़ा मुद्दा बताया। आंदोलन के तहत हस्ताक्षर अभियान और जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। करीब 2 लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र में स्पेशलिस्ट डॉक्टर की कमी के चलते लोगों को इलाज के लिए लगभग 70 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्होंने सभी वर्गों के लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि जनजागरूकता से ही जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सकता है और समस्या का समाधान संभव है। इस दौरान महताब आलम, संतोष कनौजिया, दशरथ पटेल, उमेश पटेल, राजकुमार गुप्ता, इंद्रेश पटेल, अमित सिंह, अशोक कुमार पटेल, चंद्रशेखर सिंह, विजय सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कोन अस्पताल में जल्द से जल्द स्पेशलिस्ट डॉक्टर की नियुक्ति की मांग की। आयोजकों ने बताया कि यह आंदोलन आगे गांव-गांव तक चलाया जाएगा और जनसमर्थन के बल पर इसे और मजबूत किया जाएगा।

सड़क हादसे पर पिता पुत्र की दर्दनाक मौत, मृतक ससुराल से वापस लौट रहा था घर

मृतक मजदूरी कर परिवार का करता था भरण -पोषण

मृतक दो अर्पित व आफत और पत्नी पार्वती के साथ पुणे में रहकर परिवार का भरण पोषण करते थे।पिछले दो माह से मृतक पुणे से घर वापस लौट मजदूरी का काम करता था।छोटे पुत्र आफत के साथ सुसराल से घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए पत्नी पार्वती को हादसे की खबर होते ही बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी।पार्वती का करुण क्रंदन सुन मौजूद लोगों की आंखे नम हो गई।

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के देवाकलपुर गांव के समीप उस समय हृदयविदारक घटना घटी जब एक पिता अपनी सात वर्षीय पुत्र के साथ रिश्तेदारी से अपने घर वापस लौट रहा था कि तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया और मौके पर ही दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।मृतक की पहचान गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत कुछमुछ गांव निवासी रामकेश पुत्र उमानाथ 35वर्ष के रूप में हुई। विदित हो कि मृतक रामकेश अपने सात वर्षीय पुत्र आफत के साथ अपने ससुराल चेवार से घर वापस लौट रहे थे जैसे ही देवाकलपुर गांव के पास पहुंचे तभी जौनपुर से केराकत की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक विपरीत साइड से आकर सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर ही पिता पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई,घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय व मुफ्तीगंज चौकी प्रभारी मौके पर पहुंच दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के दौरान भाग रहे ट्रक चालक को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया और उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन में जुटी।इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

शाहगंज पुलिस ने शांति भंग की आशंका में 7 लोगों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरीन्द्र सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने 21 अप्रैल 2026 को थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से शांति भंग की आशंका के मद्देनजर कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई की गई है। सभी को आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए संबंधित न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक सुनील वर्मा, विनोद कुमार समेत थाना शाहगंज की पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस का कहना है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर रामपुर नद्दी गॉव में किसान संगोष्ठी का आयोजन

-शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र के निर्देश एवं उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं नवीन कुमार के मार्गदर्शन के क्रम में तहसील के ग्राम सभा रामपुर नद्दी में लेखपाल सुरेन्द्र सिंह द्वारा किसान संगोष्ठी आयोजित भगवती माता मंदिर के समीप हुआ। सर्वप्रथम लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने कुछ दिनों पहले निधन हुए सेवानिवृत्त शिक्षक स्व. धनेन्द्र नाथ मिश्र के आवास पर पहुंच शोक संवेदना व्यक्त किए। इस अवसर पर स्व.धनेन्द्र नाथ मिश्र के पुत्रों में संतोष कुमार मिश्र, अरविन्द कुमार मिश्रा एवं पौत्रगण में अमित कुमार मिश्रा, आदर्श मिश्र एवं स्व. प्रेमनाथ मिश्र के पुत्र रजनीश मिश्र उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि रतन ओझा, अश्वनी की उपस्थिति में लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने वरासत एवं अन्य विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि, ₹ पीएम किसान सम्मान निधि की आगामी किस्त प्राप्त करने के लिए भी फार्मर रजिस्ट्री जरूरी कर दी गई है।₹ उन्होंने मौके पर स्व.जगदीश मिश्र की पत्नी मीरा मिश्र की फार्मर आईडी बनाई एवं पं. ओंकारनाथ मिश्र की फार्मर आईडी की अद्यतन जानकारी दी। लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि ,₹फार्मर रजिस्ट्री होने से किसानों को फसल ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड अन्य कृषि ऋण प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। साथ ही फसल बीमा योजना का लाभ लेने और प्राकृतिक आपदा के समय क्षतिपूर्ति के लिए पात्र किसानों की पहचान करने में भी आसानी होगी।फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विभागों को किसानों का अद्यतन डाटा उपलब्ध होगा, जिससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंचाया जा सकेगा। फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसान को केवल आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा भूमि अभिलेख की प्रति, खसरा-खतौनी की आवश्यक हैं।

इंदौर के मांगलिया डिपो के पास भीषण आग

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मांगलिया तेल डिपो के पास सात्विक विहार क्षेत्र में आग लगने की बड़ी घटना सामने आई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। लाखों लीटर पेट्रोल-डीजल की मौजूदगी के कारण हड़कंप है और यातायात रोक दिया गया है।

पुलिस पर कारोबारी के घर लूट के आरोप

इंदौर (उत्तरशक्ति)। वारंट तामील करने पहुंचे पुलिसकर्मियों द्वारा कारोबारी के घर से 22 तोला सोना लूटने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

लायंस क्लब रेणुकूट ने मनाया 56वां स्थापना दिवस

-सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब रेणुकूट ने अपना 56वां स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अर्पण धर दुबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ गवर्नर इलेक्ट लायन उदय चांदनी, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-2 लायन श्याम बाबू वर्मा, पूर्व जिला गवर्नर लायन वीरेंद्र गोयल, लायन निधि कुमार और लायन जेएन श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक यात्रा भी संपन्न हुई। क्लब के सचिव एमजेएफ लायन बृजेश जायसवाल ने वर्षभर की गतिविधियों पर आधारित एक पुस्तक प्रस्तुत की, जिसका विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। उन्होंने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आगे भी समाज सेवा में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में इलाहाबाद से आए अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही इंटरनेशनल प्रेसिडेंट द्वारा भेजे गए पिन एवं सर्टिफिकेट से क्लब के कई पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। लायन मुकुल श्रीवास्तव को आइकॉन लायन की उपाधि से नवाजा गया, जबकि अन्य सदस्यों को भी उनके योगदान के लिए सम्मान मिला।

आगामी सत्र 2026-27 के लिए नए पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए एमजेएफ लायन गोपाल सिंह को अध्यक्ष, लायन रुपेश कुमार सिंह को सचिव और लायन नवीन जोशी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन लायन संजय सक्सेना एवं श्रीमती रेशु सक्सेना ने किया। इस मौके पर क्लब के वरिष्ठ एवं नए सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही और आयोजन ने सेवा, एकता और संगठन की भावना को मजबूत किया।

जौनपुर ब्रेकिंग: बाइक-ट्रक की भीषण टक्कर में पिता व मासूम पुत्र की मौत

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के केराकत थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और उसके 3 वर्षीय मासूम पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, केराकत थाना क्षेत्र के देवकालपुर डागरा के पास मंगलवार करीब 3 बजे बाइक और तेज रफ्तार ट्रक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रामकेश कुमार (29) पुत्र उमानाथ निवासी गांव कुछमुच शेवाईनाला थाना गौराबादशाहपुर और उनके 3 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रामकेश अपने ससुराल से बेटे के साथ बाइक से घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। एक पत्नी ने पति और मां ने बेटे को खो दिया, जिससे परिवार गहरे सदमे में है। स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जनगणना 2027 के प्रशिक्षण सत्र का डीएम ने किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने डीएम रजा शिया इंटर कॉलेज में आयोजित जनगणना 2027 के प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रगणकों की तैयारियों का जायजा लिया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें शत-प्रतिशत शुद्धता और सावधानी बरतना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही सभी जानकारियों को गंभीरता से समझें और अपने कार्यक्षेत्र में उनका सही तरीके से अनुपालन करें। उन्होंने कहा कि सभी गणनाकर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करें। जनगणना के सफल संचालन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है, ताकि कर्मियों को कार्य की पूरी जानकारी मिल सके। डीएम ने प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उनका कुशलक्षेम भी जाना और कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर मास्टर ट्रेनर से समन्वय कर समाधान प्राप्त करें। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मॉडिफाइड सायलेंसर के विरुद्ध हुई आरटी ओ की कार्यवाही

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की सड़कों पर मॉडिफाइड साइलेंसर के जरिए ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग ने सख्त कार्यवाही किया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार को शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान विशेष रूप से उन बुलेट मोटरसाइकिल चालकों का चालान काटा गया, जिन्होंने कंपनी से मिले मानक साइलेंसर को हटाकर तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रखे थे। उन्होंने अवगत कराया कि इन साइलेंसरों से निकलने वाली तेज और कर्कश आवाज न केवल आम जनता के लिए परेशानी का सबब बनती है, बल्कि इससे ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ जाता है। एआरटीओ (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह ने जानकारी दी कि सघन चेकिंग के दौरान कुल 05 ऐसे दोपहिया वाहनों को पकड़ा गया जो नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। इन सभी वाहनों का मौके पर ही चालान काटा गया। उन्होंने वाहन स्वामियों को कहा कि मानक के विपरीत साइलेंसर लगवाना मोटर वाहन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। सड़कों पर शांति व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा और यदि कोई दोबारा नियमों को तोड़ते हुए पाया गया, तो वाहन को सीज करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

एकजुटता काम आईः आयुर्वेद चिकित्सकों का झलका विरोध

झुन्झुनूं । आज आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन (अटअ), झुन्झुनूं के बैनर तले आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने क्लस्टर सिस्टम को बिना पर्याप्त संसाधनों के लागू किए जाने के विरोध में एकजुट होकर उपनिदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी को अपना ज्ञापन सौंपा। जिला शाखा झुन्झुनूं के अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार झा झड़िया ने बताया कि बिना पर्याप्त मानव संसाधन,विशेष रूप से डाटा एंट्री ऑपरेटर की उपलब्धता के क्लस्टर सिस्टम को लागू करना व्यावहारिक नहीं है तथा इससे चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होगी। उपनिदेशक ने विषय की गंभीरता को स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि ज्ञापन को शीघ्र ही निदेशक को प्रेषित किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान जिला के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने एकता का परिचय दिया तथा पुरजोर विरोध में सभी की सराहनीय भागीदारी रही। देखा जाए तो महिला चिकित्सकों की भी भागीदारी सराहनीय रही। डॉ. रामा कस्वाँ, डॉ. आदर्श, डॉ. कुंदन, डॉ. विमला, डॉ. बबिता, डॉ. मुकेश चौधरी, डॉ. राजेंद्र कुमावत, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अशोक सोनी, डॉ.राकेश माहिच, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. रोहिताश जांगिड़, डॉ.रणधीर, डॉ. सुशील बाकोलिया, डॉ दिनेश बुगालिया, डॉ. मुकेश मीणा, डॉ रोहिताश सैनी सहित अनेक चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए एकजुटता का परिचय दिया है। जो इस बात की हिमाकत करता है कि इस तरह के कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्सक अपने अधिकारों एवं कार्य परिस्थितियों को लेकर सजग हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर संगठित रूप से अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

सीएम योगी ने पीएम के सभास्थल बीएलडब्ल्यू में तैयारियों का जाना हाल

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश; बच्चियों से आत्मीय संवाद ने छुआ दिल
योगी ने विश्वनाथ धाम व कालभैरव के चरणों में नमन
पीएम कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में

-सुरेश गांधी

वाराणसी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मंगलवार को काशी दौरा आस्था, प्रशासनिक सख्ती और मानवीय संवेदनाओं का संगम बन गया। दो दिवसीय प्रवास के तहत वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सर्किट हाउस में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा, यातायात, जनसुविधाओं और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री सीधे काशी की आध्यात्मिक धुरी की ओर बढ़े और श्री कालभैरव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा कालभैरव का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के चरणों में शीश नवाया। काशी की परंपरा के अनुसार यह दर्शन-पूजन उनके दौरे का आध्यात्मिक केंद्र रहा।

दर्शन के बाद मंदिर परिसर से बाहर निकलते समय मुख्यमंत्री का एक बेहद मानवीय और आत्मीय रूप देखने को मिला। माला-फूल की दुकान पर बैठी एक छोटी बच्ची को देखकर वे ठहर गए और उसे स्नेहपूर्वक दुलारने लगे। इस दृश्य को देखकर उसकी बड़ी बहन भी उत्सुकता से आगे आ गई। मुख्यमंत्री ने दोनों बच्चियों से बातचीत करते हुए उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और उन्हें मन लगाकर पढ़ने का आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने परिजनों से भी सहज वार्ता कर उनका हालचाल जाना। यह क्षण वहां मौजूद लोगों के लिए यादगार बन गया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू) पहुंचकर प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओंकृसुरक्षा, मंच, आगंतुक प्रबंधन और यातायात नियंत्रणकृको बारीकी से परखा और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध और उच्च स्तर की होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान शासन और प्रशासन के कई वरिष्ठ चेहरे मौजूद रहे। इनमें श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, महापौर अशोक तिवारी, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, मंडलायुक्त एस राजलिंगम, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, एडीजी जोन पियूष मोर्डिया, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दौरा केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें काशी की आस्था, परंपरा और जनसरोकारों की झलक भी स्पष्ट दिखाई दी। एक ओर जहां उन्होंने प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर पूरी प्रशासनिक मशीनरी को सतर्क और सक्रिय किया, वहीं दूसरी ओर आम जन, खासकर मासूम बच्चों से उनका सहज संवाद इस दौरे को विशेष बना गया।

किआ इंडिया ने किआ साइरोस MY26 पेश की

मुंबई। भारत के प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निर्माताओं में से एक, किआ इंडिया ने ग्राहकों की बदलती जरूरतों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए किआ साइरोस मॉडल ईयर 2026 (MY26) पेश करने की घोषणा की है। इसमें नए HTE, HTE(O), HTK+(O) और HTX(O) ट्रिम्स के साथ मॉडल लाइनअप का विस्तार किया गया है। नई साइरोस ट 26 8,39,900 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलेगी और इसमें पहले से ज्यादा ऑटोमैटिक विकल्प दिए गए हैं, जिनमें नए डीजल ऑटोमैटिक ट्रिम्स भी शामिल हैं। ये सब किफायती कीमत पर बेहतर मूल्य देने की रणनीति को और मजबूत करते हैं। नई और मजबूत ट्रिम रणनीति, पूरे मॉडल रेंज में बेहतर फीचर्स, और स्पोर्टी व मजबूत फ्रंट-रियर डिजाइन के कारण यह अब पहले से भी ज्यादा आकर्षक एसयूवी लगती है। नई साइरोस अपनी मुख्य खूबियों जैसे शानदार स्पेस, प्रीमियम इंटीरियर और मजबूत सुरक्षा को बरकरार रखते हुए अब ग्राहकों को कहीं ज्यादा सार्थक मूल्य प्रदान करती है। किआ इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अतुल सूद ने कहा, ग्राहकों के सुझावों ने साइरोस मॉडल ईयर 2026 को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसमें डिजाइन को और आकर्षक बनाया गया है, ट्रिम और फीचर्स को बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया गया है, जिससे अब यह पहले से कहीं ज्यादा सार्थक मूल्य देता है। साथ ही, ट्रिम्स और पावरट्रेन में ज्यादा विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं। लॉन्च के बाद साइरोस ने कई पुरस्कार जीते हैं और ऑटो विशेषज्ञों ने इसकी खूब तारीफ की है। यह नया अपडेट अब इसे और भी ज्यादा ग्राहकों के लिए आकर्षक बनाता है। यह बदलाव किआ की 'ग्राहक-प्रथम' सोच का बेहतरीन उदाहरण है। साइरोस मॉडल ईयर 2026 प्रीमियम सुविधाओं को ज्यादा सुलभ बनाते हुए शानदार केबिन स्पेस, आराम और शहर में आसानी से चलने वाली फुर्ती को एक साथ जोड़ता है। हम सभी ग्राहकों को साइरोस मॉडल ईयर 2026 को खुद चलाकर देखने के लिए अपने नजदीकी किआ डीलरशिप पर आने के लिए आमंत्रित करते हैं। किआ साइरोस उच्च-मूल्य स्वामित्व अनुभव प्रदान करने वाली सुविधाओं की पेशकश जारी रखती है, जिनमें 76.2 सेमी (30) ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले पैनल - कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट, डुअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ, स्ट्रीमलाइन डोर हैंडल, फ्रंट और रियर वेंटिलेटेड सीटें, 60:40 स्प्लिट के साथ दूसरी पंक्ति की सीट रिक्लाइन और स्लाइड, 20 मजबूत हाई-स्टैंडर्ड सेफ्टी पैकेज और फाइव-स्टार बीएनसीएपी रेटिंग शामिल हैं।

गैस सिलिंडर फटने से हुआ जोरदार धमाका, टिन शेड तोड़कर 100 मीटर दूर जा गिरा

एक घायल आस-पास वाले हुए भयभीत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कमिश्नरेट के भेलूपुर थाना क्षेत्र के शुकुलपुरा स्थित हनुमान मंदिर के पास मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कमरे में अचानक तेज धमाके के साथ गैस सिलिंडर फट गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घबराकर मौके की ओर दौड़ पड़े। हादसे में एक व्यक्ति झुलस गया। वहीं महिला हाथ में जला हुआ नोट लेकर रोती दिखी।

जानकारी के अनुसार रामनरेश सोनकर का एक हाता है, जिसमें 70 से ज्यादा परिवार किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। हाता के दूसरे तल पर स्थित किरायेदार कल्लू अपने परिवार के सात सदस्यों के साथ रहता है। घटना के समय कमरे में कल्लू का बड़ा बेटा सूरज मौजूद था। इसी दौरान अचानक सिलिंडर में आग लग गई। जिससे घबरा कर सूरज कमरा छोड़ कर भाग गया। वहीं आग लगने की सूचना पर हाता में रहने वाले सतवंत पहुंचे और आग बुझाने लगे। इस दौरान अचानक सिलिंडर में विस्फोट हो गया। जिससे कमरे की टिन की छत फट गई और सिलिंडर करीब 100 मीटर दूर जा गिरा। हादसे में सतवंत पुत्र तेजबली सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल निजी अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। आग लगने की सूचना पर कल्लू और उनकी पत्नी पहुंची तो दोनों का रो- रोकर बुरा हाल हो गया। कल्लू दुगाकुंड इलाके में दाना बेचता है और उसकी पत्नी घरों में काम कर जीवनयापन करती है।

परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राह्मण कल्याण संघ ट्रस्ट द्वारा समारोह का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली पूर्व स्थित हनुमान नगर के श्री शिव शंकर धाम महादेव मंदिर के सभागृह में ब्राह्मण कल्याण संघ ट्रस्ट द्वारा अक्षय तृतीया व भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्य दिवस पर भव्य भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक अतुल भातखलकर, पूर्व विधायक उद्योगपति ठाकुर रमेश सिंह, हनुमान नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवक एवं विश्व ब्राह्मण समाज के युवा अध्यक्ष डा. अमर डी. मिश्रा, नगरसेविका डा. श्रीमती अजंता राजपति यादव, पूर्व नगरसेवक ठाकुर सागर सिंह, पूर्व नगरसेवक एकनाथ (शंकर) हुंकारे व शिवसेना उबाठा के कांदिवली उप विभाग प्रमुख प्रशांत कोकणे के अलावा ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोगों ने उपस्थित होकर भजन कीर्तन के आनंद के साथ साथ प्रसाद का ग्रहण किया। अतिथियों का स्वागत अमर डी मिश्रा और हृदय नाथ उपाध्याय ने किया।

अल्ट्राटेक ने भारत में 200 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता का आंकड़ा पार किया

पटना। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने भारत में 200 मिलियन टन प्रति वर्ष से अधिक स्थापित सीमेंट निर्माण क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने शाहजहाँपुर, पतरातू और विशाखापत्तनम में तीन नई सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स शुरू की हैं, जिनकी कुल क्षमता 8.7 मिलियन टन प्रति वर्ष है। इन नई यूनिट्स के जुड़ने के बाद भारत में कंपनी की कुल क्षमता 200.1 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 205.5 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच गई है। कंपनी ने 2019 में 100 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता हासिल की थी और इसके बाद सात वर्ष से भी कम समय में अगले 100 मिलियन टन प्रति वर्ष का आंकड़ा पार किया है। अल्ट्राटेक का सीमेंट देश की कई प्रमुख परियोजनाओं में उपयोग हो रहा है और कंपनी सस्टेनेबिलिटी के तहत कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम करने तथा ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। कंपनी वर्तमान में चल रही परियोजनाओं पर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है।

योगी ने अफसरों को दिया सुरक्षा से लेकर सुविधाओं तक जीरो एरर का मंत्र

वाराणसी। काशी में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। तैयारियों को लेकर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा संभालते हुए साफ कर दिया है कि इस बार कोई चूक बर्दाश्त नहीं होगी। दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को जीरो एरर के मंत्र के साथ काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हर स्तर पर चाक-चौबंद इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने रूट डायवर्जन की ऐसी प्रभावी योजना बनाने को कहा, जिससे आम जनता को न्यूनतम असुविधा हो और वीवीआईपी मूवमेंट भी सुचारु बना रहे। साफ शब्दों में निर्देश दिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न हो।

महिला सम्मेलन पर विशेष फोकस

सीएम योगी ने कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावित महिला सम्मेलन को लेकर विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने निर्देश दिया कि सम्मेलन में आने वाली महिलाओं के आवागमन, बैठने, पेयजल, शौचालय और पार्किंग जैसी सभी व्यवस्थाएं समय से पहले दुरुस्त कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन भी है, इसलिए इसकी भव्यता और सुव्यवस्था दोनों सुनिश्चित होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने काशी की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने पूरे शहर में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं भी गंदगी की तस्वीर सामने नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही सड़कों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं और स्ट्रीट डॉग्स को आश्रय स्थलों में शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया। स्ट्रीट वेंडरों के व्यवस्थित संचालन पर भी जोर देते हुए कहा कि यातायात और सौंदर्य दोनों प्रभावित न हों।

विकास परियोजनाओं की समीक्षा, काम में तेजी के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दौरान लोकार्पण और शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने पीपीटी के माध्यम से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से रोप-वे परियोजना की गति पर संतोष जताते हुए इसे और तेज करने के निर्देश दिए। गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को लेकर भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि स्टेडियम का निर्माण कार्य जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके अलावा मणिकर्णिका घाट और दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना को भी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूरा करने का निर्देश दिया गया।

इस अहम बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प मंत्री रविन्द्र जायसवाल, महापौर अशोक तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी तैयारियों पर अपने सुझाव दिए। वहीं मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी समेत सभी विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट जिम्मेदारी सौंप दी गई है। प्रधानमंत्री के संभावित वाराणसी दौरे को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों ने यह साफ कर दिया है कि काशी में इस बार सिर्फ आयोजन नहीं, बल्कि व्यवस्थाओं की एक नई मिसाल पेश करने की तैयारी है।

ग्लैमर और गौरव का संगमः इंडियन प्राइड वॉक सीजन-4' और इंडियन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026 मुंबई में भव्य आयोजन

मुंबई। कैटेलिस्ट एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित इंडियन प्राइड वॉक (IPW)' और इंडियन एक्सीलेंस अवॉर्ड (IEA) सीजन-4' का भव्य आयोजन 19 अप्रैल 2026 को मुंबई में बड़े ही शानदार अंदाज में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रसिद्ध प्रोड्यूसर, एंकर और समाजसेवी हबीब हाशिम मिथीबोरवाला ने किया, जिसमें फैशन, टैलेंट और सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और गणेश वंदना से हुई, जिसने पूरे माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। इसके बाद शौर्य फाउंडेशन के विशेष बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस भव्य आयोजन में फैशन रनवे शो खास आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें जरना (शो ओपनर), भाग्यश्री (शो स्टॉपर), सुरेखा, अनुपमा, आलिया, रंजन, हर्षिता, सूरज, मयूरी, तेजस्विनी, सुषमा, जया, ओम, अनु और अलका ने शानदार रैंप वॉक कर तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के दौरान सरेआम मोहब्बत, रब खो गया, मुंबई ची कोलिन बाई और मेरे दिल में जैसे गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। साथ ही कैटेलिस्ट एंटरटेनमेंट द्वारा मुंबई के प्रमुख स्थानों पर सुपर मॉडल्स के साथ नए होर्डिंग्स लॉन्च किए गए, जिन्हें ग्लोबल एडवर्टाइजर्स प्रा. लि. द्वारा स्थापित किया गया। ब्यूटी पेजेंट में तनाश ने मिस कैटेगरी का खिताब जीता, जबकि तस्नीम मिसेज कैटेगरी की विजेता रहीं। वहीं कोमल, वैशणवी और प्रियंशु रनर-अप रहे। कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित हस्तियों को इंडियन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, इसके अलावा भारत सरकार नई दिल्ली के टडटअ (DC/DKS अजमेर) में दूसरी बार सदस्य के रूप में नामित जावेद पारिख, एमडी (MED) डॉ. मुरसलीन शेख, एडवोकेट शाहबाज डी. खान, अनीता ठक्कर, नरेश रॉक्स, स्वरूप भालवणकर, प्रक्सेप मिस्त्री, गुरु सिंह, विवेक सावंत, पैट्सी जून, संजीव गुप्ता समेत कई जानी-मानी हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मिथीबोरवाला परिवार और कई सेलिब्रिटीज की मौजूदगी ने इसे और खास बना दिया।

भारत के फार्मा बाजार में रे नियो फॉर्मा की एंट्री

मुंबई। नई पीढ़ी की फार्मास्युटिकल कंपनी, रे नियो फॉर्मा ने आधिकारिक तौर पर अपने परिचालन की शुरूआत की है। कंपनी का उद्देश्य सभी भारतीयों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है। एक लचीले और आधुनिक बिजनेस मॉडल पर आधारित यह कंपनी 90 से अधिक फॉर्मूलेशन की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रही है, जो सामान्य बीमारियों से लेकर विशेष उपचार क्षेत्रों तक फैली हुई है। इसके साथ ही, कई नए और उन्नत फॉर्मूलेशन पर भी काम जारी है। इसकी स्थापना जाने-माने उद्यमी अमित पटनी द्वारा की गई है, जो 'पटनी कंप्यूटर्स' खड़ी करने वाली समृद्ध पारिवारिक विरासत से आते हैं । उनके पास मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा और फाइनेंस जैसे क्षेत्रों का गहरा अनुभव है ।रे नियो फॉर्मा भारत के उभरते फार्मास्युटिकल क्षेत्र में विज्ञान, नैतिकता और उपभोक्ता-केंद्रित सोच का एक अनूठा मेल पेश करती है ।रे नियो फॉर्मा विभिन्न प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में दवाएं उपलब्ध कराती है, जिनमें एंटीबायोटिक्स, डायबिटीज, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल, दर्द एवं ऑर्थोपेडिक उपचार, एलर्जी और श्वसन रोग, हृदय रोग, त्वचा संबंधी समस्याएं और प्रोटॉन पंप इन्हिबिटर्स जैसी दवाएं शामिल हैं।

यरटेल ने महाराष्ट्र और गोवा के 36 जिलों में 3,400 नए 5G नेटवर्क साइट्स का विस्तार किया

मुंबई। भारत की अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रदाता कंपनियों में से एक भारती एयरटेल ने आज घोषणा कि उसने पिछले महाराष्ट्र और गोवा में 3,400 से अधिक नए 5G साइट्स स्थापित किए हैं, जिससे ग्राहकों को तेज स्पीड, व्यापक कवरेज और बेहतर नेटवर्क अनुभव मिल रहा है। व्यापक पैमाने पर किया गया यह नेटवर्क विस्तार महाराष्ट्र और गोवा के सभी 36 जिलों में हुआ है, जिससे शहरी केंद्रों, तेजी से विकसित होते कस्बों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले 2.2 करोड़ से अधिक ग्राहकों को कवर किया गया है। इसके परिणामस्वरूप गढ़चिरोली, नंदुरबार और सिंधुदुर्ग जैसे उभरते और विकासशील जिलों में ग्राहकों को विशेष लाभ मिल रहा है, जहां नए साइट्स के माध्यम से कनेक्टिविटी की कमी को दूर किया जा रहा है, डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है और विश्वसनीय इंटरनेट सुनिश्चित हो रहा है। हर दिन 9 से अधिक नए साइट्स के सक्रिय होने के साथ, महाराष्ट्र और गोवा के विभिन्न जिलों के ग्राहक अब बिना किसी रुकावट के स्ट्रीमिंग, तेज डाउनलोड, ऑनलाइन काम और पढ़ाई, तथा अधिक भरोसेमंद डिजिटल भुगतान का अनुभव कर सकते हैं—चाहे वे कहीं भी रहतें हों या यात्रा कर रहे हों। यह विस्तारित 5G नेटवर्क नागरिकों, छात्रों, सूक्ष्म व्यवसायों, पर्यटकों और सरकारी संस्थानों की दैनिक डिजिटल जरूरतों को सहज रूप से पूरा करने में सक्षम बना रहा है।

महाराष्ट्र और गोवा में डेटा की मांग तेजी से बढ़ रही है, और हमारा लक्ष्य लगातार अपने नेटवर्क को मजबूत करते हुए इस मांग से आगे रहना है। 3,400 से अधिक नए 5G साइट्स के जुड़ने से हम 2.2 करोड़ से अधिक ग्राहकों को तेज स्पीड, व्यापक कवरेज और अधिक विश्वसनीय अनुभव प्रदान कर रहे हैं। विशेष रूप से विकासशील जिलों में हमारे निरंतर निवेश, एयरटेल की उस प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं, जिसके तहत हम कनेक्टिविटी की कमी को दूर कर क्षेत्र के डिजिटल विकास को भविष्य-उन्मुख नेटवर्क के माध्यम से सशक्त बना रहे हैं, रबी शंकर मिश्रा, सीईओ झ्र महाराष्ट्र एवं गोवा, भारती एयरटेल ने कहा। इसके अलावा, महाराष्ट्र और गोवा में ग्राहकों को निर्बाध डिजिटल एक्सेस प्रदान करने के लिए एयरटेल अब अपने ?399 रिचार्ज पैक में स्मार्टफोन उपयोगकताओं के लिए पूरी तरह से अनलिमिटेड डेटा प्लान भी उपलब्ध करा रहा है—जिसे बिना डेटा लिमिट की चिंता के स्ट्रीमिंग, पढ़ाई, काम और जुड़े रहने के लिए डिजाइन किया गया है।

समाज मे समाप्त होते रिश्तों की आहट प्रारंभः राजकुमार सोनी

* अधिक स्वतंत्रता स्वयं व परिवार के लिए हो जाती है घातक सिद्ध
* विवाह कोई बंधन नहीं यह घर परिवार और समाज का है स्तंभ

वर्तमान में हर माता-पिता अपनी संतान को शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में योग्य बनाने के प्रयास में लगा हुआ है। लेकिन वर्तमान समय में हर समाज में परिवार का छोटा होना अच्छा महसूस हो रहा है, लेकिन भविष्य में इसके दुष्परिणाम सामने आने वाले हैं। इस समय से शादी सुदा जोड़े केवल एक संतान को जन्म देना चाहती है। सभी समाजों में बड़ी उम्र के बच्चे बच्चियां काफी संख्या में अविवाहित है। उम्र अधिक होने के बाद शादी सम्बन्ध होने में काफी कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है। बहुत से बच्चे शादी हेतु सबंध आने के इंतजार में है। वर्तमान के अविवाहित बच्चे बच्चियां पहले अपने करियर पर ध्यान देना जरूरी समझते हैं। पहले शिक्षा फिर रोजगार उसके पश्चात विचार किया जा रहा है। सरकारी नौकरी और निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले बच्चे बच्चियां अपने समकक्ष से विवाह करने की अपेक्षा करते है। समकक्ष या उच्च पद बाले के साथ शादी करना प्रथम प्राथमिकता बनी हुई है।

वर्तमान समय में हर बच्चे बच्ची शिक्षा, रोजगार तथा आत्मनिर्भर बनने तक इन्तजार में इनकी उम्र बढ़ जाती है। अधिक उम्र के बाद संबंध तय करने में परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं देखा जाएं तो वर्तमान में हर लडका, लड्की स्वतंत्र जिंदगी जीना चाहते हैं। कभी कभी अधिक स्वतंत्रता स्वयं व परिवार के लिए घातक सिद्ध हो जाती है। अधिक उम्र में संतान सुख मिलने में भी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। आगामी पीढ़ियों को कम संख्या के दुष्परिणामों को भी भुगतना होगा, शादी से भागने के परिणाम वर्तमान में नहीं लेकिन बुजुर्ग होने पर परिवार की आवश्यकता महशुस होगी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। उस अवस्था में पहुंचने के बाद परिवार का जीवन साथी का क्या महत्व होता है स्वयं महशुस कर लेगा।

वर्तमान स्थिति के आधार पर भविष्य में रिश्ते होंगे समाप्त और हिंदू परिवार परंपरा में धीरे धीरे रिश्तों में गिरावट नजर आ रही है। अब रिश्ते समाज होने की कगार पर पहुंचने वाले हैं। चाचा, बुबा, मामा,मौसी जैसे रिश्ते आने वाले समय में देखने सुनने में नहीं मिलने वाले है। इसका उदाहरण जैसे पुत्र 2 पुत्री तो मौसी का रिश्ता समाप्त, पुत्र 1 पुत्री 2 पुत्र चाचा, ताऊ का रिश्ता समाप्त, पुत्र ।पुत्री ।तो चाचा, ताऊ, मौसी का रिश्ता समाप्त और यदि केवल पुत्र या ।पुत्री ही है तो सभी रिश्ते देखने भी नहीं मिलेंगे। ऐसी स्थिति में भविष्य में अपना प्रपौत्र, पौत्र, पुत्र अकेला खड़ा मिलेगा। उसे अपने के रिश्ते नहीं मिल पाएंगे। यदि वर्तमान स्थिति के अनुसार ही बच्चों का जन्म होता रहा तो आने बाली पीढ़ियां परिवार के नाम पर एकाकी जीवन जीने की मजबूर रहेगी। यदि यही चलता रहा तो यह व्यवस्था हिंदू परिवार सभ्यता को ही नष्ट कर देगी। भविष्य में अपनी पीढ़ी के लिए वर्तमान पीढ़ियों को बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। शिक्षा के साथ साथ ही समय पर की शादी, समय पर संतान उत्पत्ति, संतान उत्पत्ति में वृद्धि की जरूरत है।

–राजकुमार सोनी, संस्थापक संचालक, स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा मप्र।

काशी में परफेक्शन की परीक्षा : पीएम दौरे से पहले सिस्टम पर योगी का सख्त पहरा

* सुरक्षा, स्वच्छता, महिला सम्मेलन और विकास, हर मोर्चे पर जीरो टॉलरेंस का संदेश; जुलाई तक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का वादा

वाराणसी। प्रधानमंत्री के संभावित वाराणसी दौरे ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि काशी केवल आस्था की राजधानी नहीं, बल्कि प्रशासनिक दक्षता की भी कसौटी बन चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हालिया दौरा और उसमें दिए गए निर्देश महज एक नियमित समीक्षा नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम के लिए अग्निपरीक्षा का संकेत हैं।

योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि अब आयोजन सिर्फ भीड़ जुटाने का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि यह सुशासन की लाइव टेस्टिंग बन चुका है। सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर इसी बात का प्रतीक है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अब विकल्प नहीं रही। रूट डायवर्जन से लेकर भीड़ प्रबंधन तक, हर बिंदु पर सूक्ष्म योजना की अपेक्षा इस बात को दशार्ती है कि सरकार केवल दिखावे नहीं, बल्कि व्यवस्थित निष्पादन पर विश्वास कर रही है। सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू है महिला सम्मेलन पर दिया गया विशेष फोकस। यह आयोजन केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के उस नैरेटिव को मजबूत करने की कोशिश है, जिसे केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार आगे बढ़ा रही हैं। यदि व्यवस्थाएं सुचारु रहती हैं, तो यह सम्मेलन सरकार के लिए एक पॉलिटिकल मैसेज के साथ-साथ सोशल सिग्नल भी बन सकता है।

हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या हर बार वीवीआईपी दौरे के समय ही शहर की सफाई, ट्रैफिक और अव्यवस्थाओं पर इतनी गंभीरता दिखाई जाएगी? मुख्यमंत्री का स्ट्रीट डॉग्स और छुट्टा पशुओं को हटाने, वेंडरों को व्यवस्थित करने का निर्देश यह संकेत देता है कि समस्या पुरानी है, लेकिन समाधान अक्सर इवेंट-ड्रिवन बनकर रह जाता है। काशी जैसे शहर के लिए यह दृष्टिकोण दीर्घकालिक नहीं हो सकता। विकास परियोजनाओं की समीक्षा में भी वही पुराना सवाल उभरता है, क्या तय समयसीमा सच में अंतिम होगी? गंजारी में बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जुलाई तक पूरा होने का दावा करता है, लेकिन ऐसे कई प्रोजेक्ट्स पहले भी समयसीमा के जाल में उलझते रहे हैं। मुख्यमंत्री का युद्धस्तर पर काम का निर्देश इसीलिए अहम है, क्योंकि अब जनता केवल घोषणाएं नहीं, परिणाम देखना चाहती है। इस पूरे परिदृश्य में एक बात स्पष्ट है, काशी अब सिर्फ धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक, प्रशासनिक और विकासात्मक प्रयोगों की प्रयोगशाला बन चुकी है। प्रधानमंत्री का हर दौरा यहां केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार के कामकाज का पब्लिक ऑडिट भी होता है। मतलब साफ है योगी आदित्यनाथ का सख्त रुख यह दशार्ता है कि सरकार अब इवेंट मैनेजमेंट से आगे बढ़कर गवर्नेंस मॉडल स्थापित करना चाहती है। लेकिन असली चुनौती यही है कि यह तत्परता केवल दौरे तक सीमित न रह जाए, बल्कि काशी की रोजमर्रा की व्यवस्था का स्थायी हिस्सा बने। तभी परफेक्शन की परीक्षा में सिस्टम वास्तव में पास हो सकेगा।